सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

'हिटमैन के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा -पेज: 7

सिंगल मदर होना आसान नही -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 198 | सोमवार 27 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

चीन में बने एप का इस्तेमाल कर पुलिस को धोखा दे रहे थे साइबर ठग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में साइबर ठग चीन में बने एक विशेष एप का उपयोग करके पुलिस से एक कदम आगे चल रहे हैं। दरअसल ठग चीन में बने एक एप का इस्तेमाल करते हैं जिसके जरिए उन्हें पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किस बैंक खाते को फ्रीज (ज़ब्त) करवाने वाली है। राजस्थानियों से 9 महीने में 3 अरब 38 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस अब तक केवल 2 करोड़ 22 लाख रुपये ही रिकवरी कर सकी है। भिवाड़ी पुलिस द्वारा पकड़े गए 122 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मास्टरमाइंड अंकित शर्मा ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया। वह बैंक खाते किराए पर लेकर चीन में बैठे ठगों को उपलब्ध कराता था। ठगी का पैसा जिन खातों में जाता था, वे सभी इस एप से जुड़े होते थे। ठग लाइव देख सकते थे कि किस खाते में कितना पैसा जमा हुआ और कितना निकाला गया। जब साइबर पुलिस खाता फ्रीज करवाने की कोशिश करती थी, तब इस चीनी एप के जरिए उन्हें पहले ही अलर्ट मिल जाता था। साइबर फ्रॉड का संचालन बड़े स्तर पर चीन, दुबई और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हो रहा है। विदेशी ठग भारत में एजेंट तैयार करते हैं और उन्हें कमीशन का लालच देते हैं। विदेशी ठग भारतीय एजेंटों से कभी फोन पर बात नहीं करते, बल्कि केवल टेलीग्राम और वॉट्सएप चैट के जरिए संपर्क में रहते हैं। इतना ही नहीं साइबर ठग गिरोह का एक इन-हाउस लाइव-एप है जो म्यूल खातों (ठगी का पैसा ट्रांसफर करने में इस्तेमाल होने वाले खाते) को रियल-टाइम में ट्रैक करता है। यह एप उन्हें बताता है कि किस खाते में रकम आई, कौन-सा खाता पुलिस ने फ्रीज कर दिया है, और किस खाते से पैसे निकाले जा सकते हैं।

सोना तस्करी मामले में म्यांमार की महिला गिरफ्तार, अंडरगारमेंट में छिपाकर ला रही थी सोने की छड़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने सोने की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। विभाग ने म्यांमार की एक महिला यात्री को गिरफ्तार किया है, जो अपने अंतःवस्त्र में छिपाकर सोने की छड़ें भारत लाने की कोशिश कर रही थी। बरामद सोने का कुल मूल्य 1.17 करोड़ रुपये बताया गया है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार, आरोपी महिला बीते दिवस यंगून (म्यांमार) से दिल्ली पहुंची थी। गुप्त सूचना के आधार पर उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर रोका गया। जब उसकी व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो उसके अंतःवस्त्र में छह सोने की छड़ें पाई गईं। अधिकारियों ने बताया कि छड़ें भूरे रंग के टेप में सावधानीपूर्वक लपेटकर छिपाई गई थीं ताकि स्कैनर में पकड़ न आएं। बरामद सोने का वजन 996.5 ग्राम है। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला सोने की अवैध तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

हिमाचल प्रदेश पुलिस में बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित होने वाली बी-1 परीक्षा सर्वर क्रैश होने के कारण स्थगित हो गई है। यह परीक्षा करीब 8 साल के लंबे अंतराल के बाद आयोजित की जा रही थी। परीक्षा देने के लिए 4,461 (लगभग 4400) कांस्टेबल 14 केंद्रों पर पहुंचे थे। परीक्षा कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल पदोन्नति के लिए आयोजित हो रही है। पहले 21 सितंबर को होनी थी, जो बारिश के कारण 26 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई थी। दो शिफ्टों में आयोजित होनी थी (प्रातःकालीन- 2,696 उम्मीदवार और सायंकालीन- 1,765 उम्मीदवार)। डीजीपी अशोक तिवारी ने तकनीकी कारणों से व्यवधान की पुष्टि की और निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा को अस्थायी रूप से स्थगित करने की जानकारी दी। विभाग ने हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। तकनीकी समस्याओं के समाधान के बाद जल्द ही घोषित की जाएगी।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त, सात लोग घायल

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाना प्रतिबंधित होने के बावजूद एक तेज रफ़्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना हरदोई, हरपालपुर के ग्राम इकनौरा के पास निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुई। शनिवार देर रात तेज रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी और पलट गई। पुलिस के अनुसार, चालक ने कार की अधिक रफ़्तार के कारण संतुलन खो दिया। हादसे में सात लोग घायल हुए, जिसमें साले-बहनोई भी शामिल हैं। फर्रुखाबाद के ग्राम कनकापुर के मोहित मिश्रा (जो कार चला रहे थे), उनके साले संदीप पांडेय, साढ़ू पुनीत शुक्ला, बड़े भाई कुलदीप, भाभी कोमल, भतीजा यश, और भतीजी अंशिका। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कुलदीप, संदीप, और कोमल की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मोहित मिश्रा कानपुर से दवा लेकर घर (फर्रुखाबाद) लौट रहे थे। बता दें कि गंगा एक्सप्रेस-वे अभी यातायात के लिए बंद है और इस पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। जिलाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों, एसडीएम को इस पर आवागमन रोकने का निर्देश दिया था और नागरिकों से भी अपील की थी कि वे अपनी जान जोखिम में न डालें। इसके बावजूद लोग इस निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर रहे हैं।

37 दिन बाद भी जुबीन गर्ग की स्मारक पर श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सोनपुर में 37 दिन पहले जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार हुआ था। लेकिन अभी भी लोक गायक जुबीन गर्ग के स्मारक में श्रद्धांजलि देने वालों का ताँता लगा हुआ है।जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने के कारण हुई थी। 23 सितंबर को कमरकुची गांव में उनका अंतिम संस्कार हुआ था।हर दिन 5 से 10000 लोग श्रद्धांजलि देने के लिए यहां पहुंच रहे हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने दिए संकेत, नए साल से पहले कर्नाटक सरकार में होगा फेरबदल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, यानी नवंबर के बाद, कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने खुलासा किया कि कांग्रेस आलाकमान ने चार महीने पहले ही उन्हें कैबिनेट विस्तार का सुझाव दिया था। हालांकि, उन्होंने आलाकमान को सूचित किया कि यह फेरबदल सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद होगा। सीएम ने कहा, 'ढाई साल का पड़ाव पार होने के बाद मैं पार्टी आलाकमान से चर्चा करूंगा और उनके निर्देशों के अनुसार फैसला लूंगा।''

सिद्धारमैया 16 नवंबर को दिल्ली दौरे पर जाएंगे, जहां वे वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल की किताब के विमोचन समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान वे कांग्रेस आलाकमान से भी मुलाकात करेंगे और अपनी सरकार के विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक

विधानसभा का शीतकालीन सत्र दिसंबर में आयोजित होगा।

यह फेरबदल ऐसे समय में प्रस्तावित है, जब सिद्धारमैया सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर रही है कि सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने की सहमति बनी थी। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इस तरह की किसी औपचारिक सहमति से इनकार किया है, लेकिन कर्नाटक की सियासत में यह मुद्दा बार-बार सुर्खियां बटोरता रहा है।

2023 में कांग्रेस की जीत के बाद सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। इस मुद्दे पर लंबी चर्चाओं के बाद दोनों नेताओं ने दिल्ली में पार्टी आलाकमान से मुलाकात की थी। अंततः सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन तब से यह कयास लगाया जाता रहा है कि ढाई साल बाद डीके शिवकुमार को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। अब, जब सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और कैबिनेट फेरबदल की बात सामने आ रही है, कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। क्या यह फेरबदल केवल मंत्रिमंडल तक सीमित रहेगा या मुख्यमंत्री पद में भी बदलाव होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल, सिद्धारमैया के दिल्ली दौरे और आलाकमान के साथ उनकी चर्चा पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक नहीं खुला इंडिगो प्लाइट का गेट, यात्रियों में मची अफरातफरी

कानपुर (एजेंसी)। मुंबई से कानपुर आने वाली इंडिगो फ्लाइट (6ई-824) शनिवार को यात्रियों के लिए डर और बेचैनी का सबब बन गई। दरअसल विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 32 मिनट तक गेट नहीं खुला, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। महिलाएं और बच्चे घबरा गए, वहीं यात्री बार-बार एयर होस्टेस से बाहर निकलने की गुहार लगाते रहे। जानकारी के अनुसार, विमान को दोपहर 3:58 बजे कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर उतारा गया था। लैंडिंग के बाद यात्रियों को बताया गया कि विमान में ÷तकनीकी खराबी÷ आ गई है, जिसके कारण गेट नहीं खोला जा सकता। करीब आधे घंटे तक यात्री विमान के भीतर ही फंसे रहे। फ्लाइट में सवार यात्रियों का कहना था कि लोग बार-बार पूछ रहे थे कि आखिर क्या हुआ? बच्चे रोने लगे थे, कुछ लोग सीटें छोड़कर इधर-उधर घूमने लगे और ऐसे में माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया था।

तकनीकी खराबी निकली वजह- सूचना पर एयरपोर्ट की तकनीकी टीम रनवे पर पहुंची। जांच में पता चला कि विमान की बैटरी डिस्चार्ज हो गई थी, जिसकी वजह से ऑटोमेटिक गेट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। बैटरी को चार्ज करने के बाद शाम 4:42 बजे गेट खोला गया और तब जाकर यात्री बाहर निकल पाए। कई लोगों ने बाहर आकर भगवान का धन्यवाद किया और राहत की सांस ली।

वापसी उड़ान में भी देरी- इसी विमान को कानपुर से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण वह उड़ान भी करीब डेढ़ घंटे लेट हो गई। जो फ्लाइट शाम 4 बजे उड़नी थी, वह 5:30 बजे रवाना हुई।

करूर भीषण भगदड़ मामले की जांच सीबीआई के हाथ में, विजय की पार्टी की रैली के दौरान हुई थी भगदड़

चेन्नई (एजेंसी)। साऊथ अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) की राजनीतिक रैली के दौरान करूर में हुई भीषण भगदड़ की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ले ली है। सीबीआई अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। 27 सितंबर को वेलुसामीपुरम, करूर में हुई घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक घायल हुए थे। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संवेदनशील मामले को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया।

सीबीआई की विशेष टीम ने तमिलनाडु के करूर स्थित घटनास्थल का दौरा किया है। प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की एफआईआर को फिर से दर्ज कर स्थानीय अदालत को इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है।

मामले की निष्पक्षता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति का गठन किया गया है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति करने और उनकी सहायता के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। यमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने कहा कि 27 सितंबर की भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन पर गहरी छाप छोड़ी है।

पीठ ने मामले के राजनीतिक निहितार्थों का उल्लेख करते हुए कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों की मीडिया टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि इन टिप्पणियों से नागरिकों के मन में निष्पक्ष और निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

महिला डॉक्टर आत्महत्या में कई खुलासे: रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर समेत इंजीनियर गिरफ्तार

सातारा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सातारा जिले में एक सरकारी महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, बडने और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज था, लेकिन बडने लंबे समय तक फरार रहा। आखिरकार, उसने फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इससे पहले, पुलिस ने 28 वर्षीय महिला डॉक्टर की आत्महत्या के सिलसिले में सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर को भी गिरफ्तार किया था। मृतका, जो मराठवाड़ा के बीड जिले की रहने वाली थी, सातारा के सरकारी अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रही थी।

गुरुवार रात फलटण के एक होटल के कमरे में उसका शव फंदे से लटका मिला।

मृतका की हथेली पर लिखे सुसाइड नोट ने मामले को और गंभीर बना दिया, जिसमें उसने सब-इंस्पेक्टर गोपाल बडने पर कई बार बलात्कार करने और बांकर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया।पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण में बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि बांकर उस मकान का मालिक का बेटा है, जहां डॉक्टर किराए पर रहती थी। मामले में नाम सामने आने के बाद बडने को पहले ही निलंबित किया जा चुका था। इस बीच, शुक्रवार रात बीड जिले के वडवानी तहसील में मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।मृतका के रिश्तेदारों ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। एक रिश्तेदार ने दावा किया कि डॉक्टर ने उत्पीड़न की कई शिकायतें की थीं, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते उसे यह कठोर कदम उठाना पड़ा। इस मामले ने पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं, और स्थानीय लोग अब कठोर न्याय की मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है, और दोनों आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने न केवल सातारा, बल्कि पूरे महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है।

लेडी डॉक्टर पर ही उठने लगे सवाल

गिरफ्तार इंजीनियर के भाई और बहन ने बताया कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं कि उसे पुणे के फार्महाउस से पकड़ा गया, वो गलत हैं। क्योंकि हमने खुद पुलिस को बुलाकर फलटण स्थित हमारे घर से खुद सरेंडर कराया था। लेडी डॉक्टर लगातार मेरे भाई को फोन करती थीं और परेशान कर रही थीं। हमारे पास सारे कॉल रिकॉर्ड्स और सोशल मीडिया चैट्स हैं जो हमने पुलिस को दिए हैं। पिछले महीने उसका भाई डेंगू से बीमार था। डॉक्टर ने ही उसका इलाज किया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। करीब 15 दिन पहले डॉक्टर ने भाई को शादी का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने मना कर दिया। दीवाली के समय डॉक्टर कुछ तनाव में थीं, लेकिन हमें लगा काम का दबाव होगा।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर उस पर शादी और शारीरिक संबंध बनाए रखने का दबाव डाल रही थी। जांच में अब तक कई कॉल रिकॉर्डिंग्स और चैट्स मिले हैं जिनमें डॉक्टर तनाव, दबाव और भावनात्मक उलझन की बात करती दिख रही हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का गैंगस्टर लखविंदर कुमार को अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर गैंगस्टर लखविंदर कुमार जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा है, अमेरिका से डिपोर्ट कर दिल्ली लाया गया है। सीबीआई ने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने पर हरियाणा पुलिस ने लखविंदर को तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, लखविंदर पर हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें फिरौती, धमकी, अवैध हथियार रखना और हत्या की कोशिश शामिल है। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। यह नोटिस 26 अक्टूबर 2024 को जारी हुआ था, जिसके बाद संयुक्त प्रयासों से आरोपी को 25 अक्टूबर 2025 को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय (एमईए) और गृह मंत्रालय के सहयोग से इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सीबीआई ने भारत में अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि लखविंदर को वापस लाया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 130 से ज्यादा वांछित अपराधियों को भारत लाया गया है। पिछले महीने भी सीबीआई ने हरियाणा पुलिस, विदेश और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुख्यात अपराध मेनपाल धिल्ला उर्फ सोनू कुमार को कंबोडिया से वापस लाया था। धिल्ला को हत्या, हत्या के प्रयास, अवैध हथियार और साजिश के मामलों में उम्रकैद की सजा मिली हुई है।

खुद को अकेला महसूस कर रहे कांग्रेस उम्मीदवार, राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार से बनाई दूरी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे कांग्रेस खेमे में यह सवाल गूंज रहा है कि विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी चुनावी रणभूमि से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। राहुल गांधी ने आखिरी बार 1 सितंबर को पटना में अपनी 'मतदाता अधिकार यात्रा' के समापन के दौरान बिहार का दौरा किया था। यह यात्रा 15 दिनों में 1,300 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 20 जिलों तक पहुंची थी। इसके बाद से वे बिहार में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव इस बीच दिल्ली पहुंचे और सूत्रों के अनुसार, उन्होंने वहां मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की घोषणा की मांग की।

कांग्रेस के कई प्रत्याशियों ने पार्टी नेतृत्व और राहुल गांधी के कार्यालय से अपने क्षेत्रों में प्रचार के लिए उनके आगमन की मांग की है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी की अनुपस्थिति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में भ्रम और निराशा का माहौल है। हालांकि, पार्टी के आंतरिक सूत्रों का दावा है कि महागठबंधन के भीतर ज्यादातर मुद्दों का समाधान हो चुका है और राहुल गांधी अगले सप्ताह से बिहार में चुनावी प्रचार शुरू कर सकते हैं।महागठबंधन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग ने शुरू में कांग्रेस को असमंजस में डाल दिया था। कांग्रेस को आशंका थी कि तेजस्वी यादव के खिलाफ हाल ही में एक नए मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के कारण उनके नाम की घोषणा से गठबंधन और पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है।

इस मसले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बिहार भेजा। पटना में गहलोत ने आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की और इसके बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।'इंडिया' गठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि निषाद समुदाय के नेता और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का वादा किया गया है। अशोक गहलोत ने घोषणा के दौरान कहा कि अन्य सामाजिक और धार्मिक समूहों से भी अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। हालांकि, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं ने आरोप लगाया है कि बिहार की 17 प्रतिशत मुस्लिम आबादी के बावजूद विपक्ष ने इस समुदाय की उपेक्षा की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को उम्मीद है कि राहुल गांधी के प्रचार में उतरने से महागठबंधन को मजबूती मिलेगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आरजेडी पहले से ही आक्रामक प्रचार में जुटी है।

देहरादून में द केरल स्टोरी जैसा सनसनीखेज मामला: धर्मांतरण की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में फिल्म द केरल स्टोरी की तर्ज पर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक युवती को झूठे वादों और प्रलोभन देकर धर्मांतरण और निकाह के लिए मजबूर करने की साजिश रची गई। रानीपोखरी की इस युवती को बहलाने की कोशिश में शामिल छांगुर गैंग के चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोपी पहले आगरा में एक अन्य धर्मांतरण मामले में भी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि पीड़िता की दोस्ती फेसबुक के जरिए अबू तालिब से हुई थी। अबू ने झूठे वादों और प्रलोभनों के जरिए उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया। इसके बाद उसने युवती की मुलाकात अपने दोस्त अयान से कराई, जिसके साथ दिल्ली में निकाह की योजना बनाई गई। साजिश के तहत युवती को आर्थिक मदद, ऑनलाइन कपड़े, मोबाइल फोन, और सिम दी गई। व्हाट्सऐप बिजनेस ऐप डाउनलोड करवाकर संपर्क बनाए रखा गया। रानीपोखरी तक कैब भेजी गई, और उसे दिल्ली में अब्दुल के 'सेफ हाउस' में रखने की तैयारी थी। लेकिन, आखिरी समय पर युवती ने निकाह से इनकार कर दिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। शनिवार को देहरादून कोर्ट में चारों आरोपियों अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह (दिल्ली), एसवी कृष्णा उर्फ आयशा (गोवा), अब्दुर रहमान उर्फ रुपेंद्र सिंह (देहरादून, मूल निवासी मैनपुरी), और अबू तालिब (मुजफ्फरनगर) को आगरा पुलिस द्वारा पेश किया गया। कोर्ट की सुनवाई के बाद उन्हें वापस आगरा ले जाया गया। देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इनके खिलाफ कोर्ट से वारंट-बी जारी करवाया गया था, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपियों पर बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि यह गैंग संगठित तरीके से काम करता था और पहले भी आगरा में इसी तरह के मामले में लिप्त था। पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है और अन्य संभावित पीड़ितों की तलाश कर रही है। इस घटना ने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आ रहा तूफान, प्रशासन की सांसें फूलीं, 3 राज्यों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे गहरे दबाव ने चक्रवाती तूफान मोंथा ने विकराल रूप ले लिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 28 अक्टूबर की शाम या रात को यह तूफान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास टकरा सकता है। आईएमडी के वैज्ञानिक एस करुणासागर ने बताया कि इससे पहले आंध्र तट के पास 45 से 55 किमी/घंटा की हवाएं चलने लगेंगी, जो धीरे-धीरे 90-110 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं।' इसके असर को देखते हुए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में प्रशासन ने हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चक्रवात के खतरे को देखते हुए जिलों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं और अधिकारियों को चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विशाखापट्टनम कलेक्टरेट में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जहां लोग चक्रवात से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए मदद ले सकते हैं। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 0891-2590102 और 0891-2590100 जारी किए गए हैं। विशाखापट्टनम के कलेक्टर एमएन हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्टाफ शिफ्ट के आधार पर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगा। आंध्र प्रदेश सरकार ने तटीय जिलों और रायलसीमा क्षेत्र में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ आपात बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि आवश्यक सेवाओं में किसी भी तरह की रुकावट नहीं आनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित की जाएं। सीएम ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया जाए। काकीनाडा में 'हॉस्पिटल ऑन व्हील्स' की व्यवस्था रखी जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति निर्बाध रहनी चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि गुंटूर, नेल्लोर, चित्तूर, काकीनाडा, बापटला और वाईएसआर कडप्पा जिलों में विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को सारे स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि 27 से 29 अक्टूबर तक तटीय और रायलसीमा जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश (210 मिमी से अधिक) हो सकती है।

थाईलैंड ने इस चक्रवाती तूफान का नाम मोंथा रखा है। थाई भाषा में इसका अर्थ है 'सुगंधित या सुंदर फूल' होता है। भारतीय मौसम विभाग ने इसे 'सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म' यानी गंभीर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखा है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और कई जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा होगी।आईएमडी के अनुसार, यह तूफान फिलहाल दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में केंद्रित है और लगातार पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को यह पोर्ट ब्लेयर से 460 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम, चेन्नई से 950 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व, और काकीनाडा से 970 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित था।

वहीं ओडिशा सरकार ने भी अपनी आपदा प्रबंधन प्रणाली को सक्रिय कर दिया है। राज्य के 16 जिलों पर तूफान का प्रभाव पड़ने की आशंका है। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने 15 जिलों के कलेक्टरों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा, 'लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासन पूरी तैयारी में है। चक्रवात से पहले सभी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।' सरकार ने कोरापुट, मलकानगिरी, रायगढ़ा,

नबरंगपुर, कालाहांडी, गंजाम और गजपति जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जबकि नौ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। संवेदनशील इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और साइक्लोन शेल्टर तैयार रखे गए हैं। आईएमडी के अनुसार, सोमवार शाम से 80 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। तमिलनाडु के तटीय जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो चुकी है। चेन्नई, नागपट्टिनम, और कुड्डालोर जिलों में अगले चार से पांच दिन तक लगातार बारिश जारी रहने की संभावना है।

सत्ता का चरित्र और संवैधानिक राजनीति की दिशा

वह समाजवादी पार्टी की सरकार ही थी – जब सत्ता के नशे में चूर कुछ नेताओं ने प्रशासन को अपनी जागीर समझ रखा था। वह दौर याद कीजिए – जब आजम खान ने तीन घंटे तक एक र.र.ढ. को अपने घर के बाहर खड़ा रखा था जब जिलाधिकारी से जूते साफ करवाने की बात कही गई थी, जब मुख्तार अंसारी ने कोतवाली में ताला डलवा दिया था, और जब अतीक अहमद ने बीस पुलिसवालों को अपने घर में कैद कर लिया था। वह दौर था जब डर कानून से बड़ा था जब न्यायालय में गवाह पहुंचने से डरते थे, अधिकारी मौन रहते थे, और जनता असहाय थी। फिर वक्त बदला – और एक ईमानदार संन्यासी नेता सत्ता के शिखर पर बैठा। वह क्षण था जब शासन का चेहरा बदल गया। असहाय लगने वाली पुलिस ने कानून की ताकत दिखानी शुरू की,

माफिया की हवेलियों पर बुलडोजर चला, अपराधियों के चेहरे से सत्ता का दर्प मिट गया। विकास दुबे जैसे अपराधियों की गाड़ियाँ भी पलटने लगीं, और न्याय ने यह संदेश दिया कि अपराध चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, कानून उससे बड़ा है।

यह बदलाव किसी पार्टी का नहीं था यह बदलाव चरित्र का था।

क्योंकि जब सत्ता पर बैठा व्यक्ति ईमानदार, निस्वार्थ और राष्ट्रहित में समर्पित होता है, तो न केवल व्यवस्था सुधरती है, बल्कि समाज भी सुरक्षित और सशक्त बनता है।

आज जनता समझ चुकी है कि सत्ता सिर्फ कुर्सी नहीं, एक ज़िम्मेदारी है।

अधिकांश विपक्षी दलों के नेताओं के परिवार देखते-देखते अरबों के मालिक बन गए, पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिखाया कि सत्ता का उपयोग स्वयं के लिए नहीं,

बल्कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए होना चाहिए। वे आज भी फकीरी को गर्व से ओढ़े हुए हैं – क्योंकि उनके लिए ह्लभारत पहले, स्वयं बाद मेंह्व है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि देश केवल धर्म के नाम पर नहीं चलता। भारत की आत्मा भाईचारे, समानता और संवैधानिक न्याय में बसती है। हमारा देश तब प्रगति करता है जब युवाओं को रोजगार मिलता है, किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिलता है,

मजदूर को सम्मानजनक काम मिलता है, और शिक्षा, चिकित्सा तथा विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार बढ़ता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत की ताकत उसकी विविधता है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई – सभी इस देश की खुशबू हैं,

इस गुलदस्ते के रंग हैं। धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि इंसानियत के आधार पर न्याय होना चाहिए – यही असली राष्ट्रधर्म है। इसी भाव को आज राष्ट्रीय लोकदल आगे बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह जी आज उस संवैधानिक राजनीति के प्रतीक हैं, जहां संवाद है, समन्वय है और समर्पण है। वे न केवल किसानों और नौजवानों की बात करते हैं,

बल्कि समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में जोड़ने की राजनीति करते हैं।

जयंत सिंह जी की राजनीति में न तो धर्म का विभाजन है, न वर्ग का टकराव – बल्कि एक नई सोच है, जो कहती है – ह्लभाईचारा ही भारत की असली पहचान है ह्व

आज जब राष्ट्रीय लोकदल एनडीए सरकार का सहयोगी दल है,

तो उसका उद्देश्य केवल सत्ता साझेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक मयार्दा और सामाजिक न्याय की साझेदारी है। क्योंकि सच्ची राजनीति वही है जो जनता की सेवा में सिर झुकाए और संविधान के आगे कभी सिर न उठाए।

धन्यवाद

ड्ट

इरकान अली जिलाध्यक्ष
युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा

संपादकीय

देश आपातकाल से पांच दशक आगे

नई वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत के समकाल और देशकाल को देखना खासा दिलचस्प है। समाज, राजनीति और लोकतंत्र की बात करें तो देश आपातकाल से पांच दशक आगे निकल चुका है। यह भी कि इस वर्ष जब आखिरी विधानसभा चुनाव के रूप में बिहार में नई सरकार चुनी जानी है तो जयप्रकाश आंदोलन के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से बिहार इस आंदोलन का एक तरह से एपिक सेंटर था। इन पांच दशकों में जरूर गंगा में बहुत पानी पानी बह चुका है, पर समय के इस बहाव के बीच कुछ चीजें स्थिर भी हुई हैं और वे नई मिसालें और मानदंडों के साथ हमारे समय में लोकनीति और विकास को व्याख्यायित कर रही हैं। इस बात की बड़ी अहमियत है कि जिस बिहार में आकर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह का अमोघ अस्त्र देश-दुनिया को दिया, आज उस सूबे की धरती पर महिलाओं ने एक बड़ी मूक क्रांति को सच कर दिखाया है। यह क्रांति महिला सशक्तीकरण की इकहरी समझ से आगे कई मायनों में सर्व-समावेशी है और इससे इस प्रदेश की महिलाओं के साथ ग्रामीण इलाकों में विकास और बदलाव का एक सर्वथा नया दौर सामने आया है। इस लिहाज से इन दिनों मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की खासी चर्चा है। आकार के लिहाज से यह देश की ऐसी सबसे बड़ी योजना है, जिसने न सिर्फ सामाजिक बदलाव की जमीन को मजबूत किया है, बल्कि इसे महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का सर्वथा नया दौर शुरू हुआ है। गौरतलब है कि बीते 26 सितंबर को जब यह योजना शुरू हुई तो 75 लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में दस-दस हजार पए ट्रांसफर किए गए। इसके कुछ ही दिन बाद 25 लाख और महिलाओं को इसमें जोड़ा गया और उनके भी खाते में पैसे पहुंचे। इस तरह 75 लाख का आंकड़ा देखते-देखते एक करोड़ पर पहुंच गया। राज्य क्या देश के स्तर पर पर भी यह संख्या ऐतिहासिक तौर असाधारण है। महिलाओं को यह राशि स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए दी जा रही हैं। वस्तुतः चुनाव से पूर्व होने वाली तमाम तरह की अव्यावहारिक और हवाई घोषणाओं से अलग बिहार सरकार ने कैबिनेट स्तर पर बीते कुछ महीनें में कई अहम फैसले लिए हैं। इस क्रम में जो बड़ा फैसला राज्य सरकार ने किया है, वह है मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना। राज्य सरकार ने इस योजना को प्रदेश की महिलाओं की स्थिति और जरूरत को समझते हुए न सिर्फ फ्रेम किया, बल्कि इसके शीघ्र क्रियान्वयन को लेकर भी वह लगातार गंभीर रही।

चिंतन-मनन

स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र की योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पंसद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशांसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था। रावण को कई बार उसकी पत्नी मन्दोदरी और भाई विभीषण ने समझाया लेकिन उसे बात समझ नहीं आई। इसीलिए प्रभु श्रीराम के हाथों रावण का का नाश हुआ।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कार्बाइड गन से भारत में हजारों लोग अंधे?

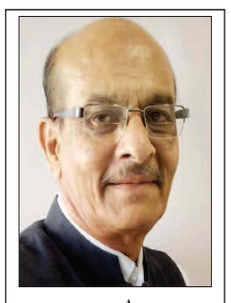

सनत जैन

भारत में तकनीक और नवाचार के नाम पर कई बार ऐसी जीजें प्रचलन में आ जाती हैं जो दिखने में साधारण और बड़े काम की लगती हैं, लेकिन आगे चलकर वो समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाती हैं। 'कार्बाइड गन' इसका ताजा उदाहरण है। मूल रूप से यह गन पक्षियों और जानवरों को भगाने के लिए उपयोग में लाई जातीं थीं। दीपावली के अवसर पर हाल के दिनों में यह गन मासूम बच्चों और आम नागरिकों की जान और आंखों की रोशनी छीनने का कारण बन रही हैं। दीपावली के अवसर पर देशभर में इस कार्बाइड गन को जिस तरह से पटाखे के रूप में उपयोग किया गया है। बच्चों और आम नागरिकों के हाथ में यह गन थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में इसका उपयोग किया गया। उसके कारण दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, सहित कई राज्यों में हजारों लोगों की आंखों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इससे सेकड़ों लोग स्थाई रूप से अंधे हो गए हैं। हजारों लोग अस्पताल में आंखों का इलाज करा रहे हैं। इस कार्बाइड गन को लोगों ने जुगाड़ से भी तैयार किया। जब इसे उपयोग में लाया गया, तो सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मध्य प्रदेश में हाल ही में हुई कई घटनाओं के बाद सरकार ने इसे घातक घोषित करते हुए, प्रदेश में कार्बाइड गन पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस गन को 'घातक विस्फोटक उपकरण' की श्रेणी में रखा गया है। सरकार ने यदि कोई भी व्यक्ति इस गन को बनाता, खरीदता या बेचता है तो उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट 1959, विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नियम में जो परिवर्तन किया गया है, उसके बाद कार्बाइड गन बेचने वालों को आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्त कदम समय की मांग थी। मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इस पर रोक लगाने का काम किया। कार्बाईड गन से भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और जबलपुर जैसे जिलों में गनों से किए गए विस्फोट के कारण बच्चों की आंखें जलने और किए गए विस्फोट के कारण स्थायी अंधेपन के कई मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में 10 लोगों की आंखें पूरी तरह से खराब हुई है। इनमें से चार लोगों की सर्जरी की गई है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 150 लोग और पटना के 50 से अधिक लोग इस गन के विस्फोट से घायल हुए हैं। कार्बाइड गन प्लास्टिक के साधारण से पाइप में तैयार हो जाती है। गैस लाइटर, कैल्शियम और कार्बाइड से तैयार कर इसे आसानी से उपयोग में लाया जा सकता है। कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने और औद्योगिक कार्यों के लिए उपयोग में होता है। जो सभी शहरों में आसानी से उपलब्ध है। यह गन 150 रुपए से लेकर 2000 रुपये तक में आसानी से देश भर में उपलब्ध थी। इस बार पटाखों की दुकानो और ऑनलाइन इस गन को बेचा गया है। सोशल मीडिया की इसमें बड़ी भूमिका थी। दीपावली के अवसर पर इसका बड़े पैमाने पर विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े और कार्बाइड धुयें के कारण हजारों लोगों की आंखों को नुकसान पहुंचा है। सैकड़ों लोगों की आखों की रोशनी चली गई हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स वेबसाइट्स पर यह खतरनाक गन 1300 से 2500 रुपये में खुलेआम आज भी बिक रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस गन का उपयोग 'खरगोश भगाने वाली गन' या 'काबूम पाइप' जैसे नाम से होता है। सच्चाई यह है, इसमें उपयोग होने वाला कार्बाइड और पानी का मिश्रण गैस विस्फोट पैदा करता है। जो तेज आवाज के साथ खतरनाक आग और दबाव उत्पन्न करता है। जिसका असर काफी दूर तक होता है। इसी विस्फोट से बच्चों और किसानों के गंभीर रूप से झुलसने के कई मामले सामने आए हैं। मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रतिबंध सराहनीय है। केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है, जमीनी स्तर पर निगरानी रखी जाए। संपूर्ण देश में ऑनलाइन बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। कार्बाइड गन बनाने और इसके उपयोग करने के लिए नियम तैयार किए जाएं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय की बड़ी भूमिका

होगी। पुलिस ओर साइबर टीम को सभी राज्यों में निगरानी के लिए सक्रिय करना होगा। ग्रामीण और शहरी स्कूलों में जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इससे होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाए। यह गन कोई खिलौना या फटाका नहीं है। कार्बाइड गन एक विस्फोटक यंत्र है। भारत को इस तरह के खतरनाक आविष्कारों के खिलाफ सख्त निगरानी रखनी होगी। तकनीक तभी उपयोगी है, जब वह सभी के लिए सुरक्षित हो। वरना जिस तरह से कार्बाइड गन का उपयोग हुआ है, वह मानवता के लिए अभिशाप है। कार्बाइड गन पर प्रतिबंध सिर्फ एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा की दिशा में सरकार का बेहतर निर्णय माना जाएगा। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को इस मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की जरूरत है।

हवा को जहर बनाता दिल्ली का आत्मघाती प्रदूषण

दिल्ली में बढ़ता प्रदूषण एक बार फिर दुनिया की नजरों में भारत की राजधानी को शर्मसार कर रहा है। कभी संस्कृति, ऊर्जा और प्रगति की पहचान रही दिल्ली आज धुएं और धूल की चादर में लिपटी दिखाई देती है। हवा में घुला जहर इस हद तक बढ़ चुका है कि सांस लेना भी एक जोखिम बन गया है। हाल ही में दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 345 के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्थिति न केवल दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा है बल्कि यह भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय भी है। प्रश्न यह है कि क्यों हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर में दिल्ली का आसमान धुंधला हो जाता है और जीवन दम घोंटने लगता है। इसका उत्तर जटिल है क्योंकि इसके लिए सरकार, समाज और व्यक्ति सभी जिम्मेदार हैं। दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में होना हमारे विकास के मॉडल पर एक गंभीर टिप्पणी है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। यह स्थिति अन्य अनेक असाध्य रोगों का भी कारण बनती है।

प्रदूषण के प्रमुख कारणों में सबसे आगे है पराली जलाना। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा खेतों में बची फसल के अवशेष जलाने से हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा खतरनाक रूप से बढ़ जाती है। हवा की दिशा दिल्ली की ओर होती है जिससे यहाँ प्रदूषण का स्तर तेजी से चढ़ता है। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर चल रहे लाखों वाहनों का धुआं, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, खुले में कचरा जलाना और जनसंख्या का दबाव इस संकट को और गहरा करते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली अब 'विकास' के नाम पर अपने ही अस्तित्व को निगलने लगी है। इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के पटाखों ने प्रदूषण का चरम स्तर पर पहुंचा दिया है। भले ही कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है।

दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है।

फिर भी यह कहना भी उचित नहीं कि सरकारें कुछ नहीं कर रहीं। केंद्र और राज्य सरकारों ने पिछले वर्षों में कई योजनाएँ शुरू की हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने एवं भाजपा की सरकार बनने के बाद इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के उपक्रम हो रहे हैं। ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) लागू किया गया, जिसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार चरणबद्ध नियंत्रण उपाय किए जाते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी दी गई, हजारों ई-बसें चलाई गईं, स्मॉग टावर लगाए गए और 'ग्रीन दिल्ली ऐप' के माध्यम से शिकायतों के समाधान की व्यवस्था की गई। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए किसानों को वैकल्पिक मशीनें उपलब्ध कराई गईं और सब्सिडी दी गई। इन प्रयासों से कुछ हद तक राहत तो मिली, परंतु समस्या की जड़ अब भी जस की तस है क्योंकि यह समस्या केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक और मानसिक भी है।

हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरूआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

प्रदूषण बढ़ाने के अनेक कारण कठोर कानून के बावजूद यत्र-तत्र पसरे हैं। लोग अब भी खुले में कचरा जलाते हैं, अपने घरों और दुकानों के बाहर धूल फैलाते हैं, पुराने वाहनों का उपयोग जारी रखते हैं। हरियाली घटती जा रही है, वृक्ष कट रहे हैं और नए पौधे लगाने की परंपरा खत्म होती जा रही है। यह लापरवाही केवल सरकार पर दोष डालने से नहीं मिटेगी, बल्कि इसके लिए नागरिक चेतना की आवश्यकता है। यह सच है कि सरकार कानून बना सकती है, नियम लागू कर सकती है, परंतु जब तक जनता अपनी आदतें नहीं बदलेगी तब तक प्रदूषण पर काबू पाना असंभव है। यदि हम अन्य महानगरों से तुलना करें तो दिल्ली की स्थिति सबसे दयनीय है। मुंबई, बेंगलुरु या कोलकाता की तुलना में यहाँ प्रदूषण का स्तर दोगुना से भी अधिक है। इसका कारण यह है कि दिल्ली न केवल स्थानीय प्रदूषण झेलती है बल्कि पड़ोसी राज्यों के प्रभाव में भी आती है। इसलिए समाधान भी क्षेत्रीय स्तर पर ही संभव है। केंद्र सरकार को राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर स्थायी नीति बनानी होगी ताकि पराली प्रबंधन, निर्माण नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और वाहनों की नीति पर एकरूपता लाई जा सके।

इस समय आवश्यकता है कि प्रदूषण को सिर्फ मौसमी समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा के रूप में देखा जाए। जनता में पर्यावरणीय चेतना को विद्यालयों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से फैलाया जाए। हर कॉलोनी में 'ग्रीन जोन' विकसित हों, शहरी वनों का निर्माण हो, और हर व्यक्ति साल में कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प ले। सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग किया जाए और पुराने डीजल वाहनों को सख्ती से हटाया जाए। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। दिल्ली का यह प्रदूषण दरअसल हमारे विकास मॉडल की असफलता का आईना है, जहाँ हमने सुविधाओं को तो बढ़ाया पर जीवन की मूलभूत आवश्यकता-स्वच्छ हवा को खो दिया। यह केवल सरकार की विफलता नहीं बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भी परिणाम है। यदि अब भी हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ हवा को केवल इतिहास की किताबों में पढ़ेंगी। अब समय है कि हम राजनीति, दोषारोपण और उदासीनता से ऊपर उठकर सांस लेने के अधिकार के लिए एकजुट हों। क्योंकि प्रकृति का शोषण नहीं, संरक्षण ही सभ्यता की पहचान है और यदि हमने हवा को जहर बना दिया तो हमारे सारे विकास के प्रतीक बेमानी हो जाएंगे। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

मेला स्थल पर कीचड़ में बसता तंबुओं का शहर,तिगरी मेले में प्रशासन की उम्मीदों पर पानी फेरते ठेकेदार

तिगरी मेले की सड़कों पर कीचड़ की गलियों से गुजरेंगे श्रद्धालु

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जहां एक तरफ शासन प्रशासन गंगा धाम तिगरी मेले की तैयारीयों को लेकर पूरी तरह से अलर्ट दिखाई दे रहा है ,गंगा धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर शासन द्वारा हर प्रकार से मुमकिन कोशिश की जा रही है, मेला स्थल पर हर रोज प्रशासनिक अधिकारी मेले को सकुशल संपन्न कराने हेतु संबंधित अधिकारियों संग लगातार बैठक भी करते दिखाई दे रहे हैं ,वहीं मेले में काम करने वाले कुछ ठेकेदार उनकी इन उम्मीदों पर पलीता लगाते हुए पानी फेरते हुए दिखाई दे रहे हैं जबकि शासन प्रशासन की तरफ से पिछले दिनों हुई बैठकों में यह साफ कर दिया गया था कि आने वाली 28 अक्टूबर को मेले की सभी तैयारियां पूरी तरह से पूर्ण कर ली जाएं।

बता दें कि रविवार को जब "सबका सपना" अखबार की टीम ग्राउंड जीरो पर पहुंची तो हकीकत कुछ और ही निकली सच्चाई तो यह है कि मेला स्तर पर लगी ठेकेदारों की लेबर द्वारा मेले की तैयारी का कार्य अभी प्रगति पर है इसमें देखना यह है कि क्या सभी ठेकेदार अपने कार्य को 28 अक्टूबर तक पूर्ण कर पाएंगे। इसके अलावा मेला स्थल पर पिछले वर्षों की भांति जगह का घनत्व भी काफी कम देखने को मिला। मेला स्थल पर पहुंचने वाले श्रद्धालु अपने डेरों को गंदगी और कीचड़ में लगाने को मजबूर है। मेले में अपना डेरा लेकर आए एक श्रद्धालु दिवाकर ने बताया कि इस बार मेले की व्यवस्था पिछले वर्षों की भांति काफी ठप है क्योंकि पिछली बार हमें अपने डेरे लगाने में इतनी दिक्कत नहीं हुई थी इस बार कारण यह है कि जगह का घनत्व कम है और मेला स्थल पर गंदगी भरे कीचड़ भी जगह-जगह मौजूद है जो ठेकेदारों के लोगों द्वारा अभी व्यवस्थित नहीं किए गए हैं। मेला स्थल पर ठेकेदारों की लेबर के द्वारा कार्य बहुत ही धीमी गति से किया जा रहा है। इसके अलावा मेला स्थल पर अपना डेरा लेकर पहुंचे जनपद मुरादाबाद के प्रिंस चौधरी ने बताया कि यह तो सच है कि पिछली बार से अबकी बार व्यवस्था इतनी बेहतर नहीं है क्योंकि जगह का घनत्व कम है और सड़कों पर भी कीचड़ के अंबार लगे हुए है यहां तक की हमें आए हुए 2 दिन हुए हैं और हम अपने तंबू को लगाने के लिए जगह को ढूंढ रहे हैं। प्रमाण के तौर पर आप छपी तस्वीरों में खुद ही देख सकते हैं कि मेला स्थल पर बने रास्तों पर गंदगी भरे कीचड़ एवं उसमें निकलने को लोग किस तरह से मजबूर हो रहे हैं।

रवि सीजन 2025 के लिए किसानों को मिलेगी मुफ्त सरसों मिनी किट

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के किसानों के लिए रवि सीजन 2025 की तैयारी शुरू हो गई है। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि सभी राजकीय कृषि बीज भंडारों पर गेहूं, सरसों, मटर, चना और मसूर के बीज अनुदान पर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से सरसों की मिनी किट उन किसानों को निशुल्क प्रदान की जाएगी, जो ऑनलाइन बुकिंग करेंगे। बुकिंग के लिए किसान वेबसाइट अत्रक्ष्ुऋअपरलअठ.वढ.ऋ्इश.क्ठ पर जा सकते हैं। बुकिंग के बाद, किसान अपने नजदीकी विकासखंड के कृषि बीज भंडार से मिनी किट प्राप्त कर सकते हैं। बीज वितरण पोस मशीन के माध्यम से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे समय रहते ऑनलाइन बुकिंग कर लें, ताकि उन्हें निशुल्क किट का लाभ मिल सके। यह योजना किसानों को बेहतर उत्पादन और आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई है। बीज भंडारों पर स्टॉक सीमित होने के कारण जल्दी आवेदन करने की सलाह दी गई है। इस सुविधा से छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों को विशेष लाभ होगा।

जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला स्थल पर अधिकारियों के साथ की तैयारियों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गंगा तिगरी मेला स्थल पर मेला की चल रही तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमरोहा, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड अमरोहा, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग गजरौला और अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत अमरोहा, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण अमरोहा की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग से सड़कों के कार्यों की प्रगति और क्षेत्र की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि जो कार्य शेष हैं उसक समय से पूर्ण कर लिया जाए और सड़के प्लेन होनी चाहिए इस बात का विशेष ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि सभी सुविधाएं पिछली बार से बेहतर हो श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की भी असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा उन्होंने कहा कि प्रकाश से ही मेला की शोभा, सुरक्षा और रौनक है। जिलाधिकारी ने कहा कि लगातार व्यवस्थाओं के दृष्टिगत समीक्षा की जा रही है और संबंधित अधिकारियों द्वारा विकसित किया जा रहा है उन्होंने कहा कल तक घाट तैयार की कर लिए जाएंगे। मेले में लोग आ रहे हैं उन्हें सही जगह पर बसाया जा रहा है सड़कों को चौड़ी किया गया है ताकि किसी प्रकार की समस्या ना हो और लोगों को सुगमता आने-जाने में रहे। उन्होंने कहा सेक्टर और पुलिस चौकी बना दिए गए हैं और आज लगाए गए पुलिस कर्मी मेला स्थल पर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मेल को अधिक भव्य, दिव्य और सुरक्षित बनाया जा रहा है और उक्त मेले में 50 टेंट की टेंट सिटी बनाई जा रही है। गली और चौक को सुंदर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है और मेला अधिक सुंदर हो इसके लिए कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा सभी सेक्टर पूर्ण हो चुके हैं उन्होंने कहा अब तक जलस्तर बढ़ने का चैलेंज था जिसे अब कोई परेशानी नहीं है अब जलस्तर नहीं बढ़ेगा इसके लिए संबंधित से वार्ता कर ली गई है। उन्होंने निर्देश दिए की पानी न बड़े और घाटों पर इस प्रकार बेरिगेडिंग की जाए की स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या ना हो। उन्होंने मीडिया सेंटर, कोतवाली निर्माण आदि का जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़खंड के अधिकारी को निर्देशित किया किया कि घाटों के किनारे पर सावधानी के तौर पर साइन बोर्ड लगाया जाए जिसपर क्या-क्या सावधानी बरतनी चाहिए लिखा हो। उन्होंने ऐसे बोर्ड ज्यादा से ज्यादा लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी और अधिशासी अधिकारी को शौचालय, चेंजिंग रूम और साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित घाट उपलब्ध कराने के दृष्टिगत घाटों को बेहतर और सुरक्षात्मक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने तिगरी गंगा मेला को भव्य, दिव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद हसनपुर राजपाल सैनी, जिला महामंत्री भाजपा अभिनव कौशिक, डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह एवं शशि भूषण पाठक, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मेला कोतवाली तिगरी गंगा मेला स्थल पर सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस ब्रीफिंग हुई

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मेला कोतवाली तिगरी गंगा मेला स्थल पर सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस ब्रीफिंग हुई। जिसमें अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा जी, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद रेंज मुनिराज , जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया और सम्बन्धित सेक्टर, जोनल और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, रमित शर्मा ने समस्त सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेले को सुरक्षित और भव्य बनाने के लिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तत्परता से निभाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी श्रद्धालुओं के साथ सौम्य और बेहतर व्यवहार करें, उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानें। उन्होंने कहा कि मेले में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें और उन्हें पुण्य प्राप्ति में सहभागी बनाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी अधिकारी हर समय सतर्क रहें और श्रद्धालुओं को निर्धारित घाटों पर ही स्नान करने के लिए मार्गदर्शन करें। सभी जोन और सेक्टर प्रभारी अपने अधीनस्थों को नियमित रूप से ब्रीफ करें और टीमवर्क के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी मेला सफल रहा है, लेकिन इस बार इसे और बेहतर बनाने का लक्ष्य है। क्राउड मैनेजमेंट के लिए विशेष निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, इसलिए सभी अधिकारी सतर्क रहें। मेले के परिसर और आसपास लगातार पेट्रोलिंग करें ताकि किसी भी स्थिति में जाम न लगे। उन्होंने जोर दिया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि श्रद्धालु मेले से सकारात्मक अनुभव लेकर जाएं। इसके लिए सभी को टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद रेंज मुनिराज , जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भी सभी सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को सुरक्षित, स्वच्छ और भव्य मेला बनाने के निर्देश देते हुए अपनी ड्यूटी को जिम्मेदारी से निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का अच्छी तरह से निर्वहन करें और जो भी जिम्मेदारियां दी गई है उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें। आने वाले श्रद्धालुओं के प्रति बेहतर व्यवहार करें। घाटों पर तैनात सभी सुरक्षाकर्मी विशेष ध्यान रखें। विद्युत और अग्नि सुरक्षा की भी जांच करा लें। सुनिश्चित किया जाए कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। यातायात व्यवस्था और पार्किंग के लिए तैनात कार्मिकों को विशेष सतर्क रहने के लिए निर्देश दिए। मेला परिसर के साथ नदी में भी पेट्रोलिंग करते रहे। सभी अधिकारी अपनी ड्यूटी को जिम्मेदारी से निभाने हुए मेले को सफल, स्वच्छ, सुरक्षित और भव्य बनाएं।

गढ़मुक्तेश्वर और तिगरी मेले की तैयारियों का मुख्यमंत्री योगी ने लिया जायजा

गढ़मुक्तेश्वर मेला बनेगा श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक: मुख्यमंत्री

मिनी कुम्भ के रूप में आयोजित होगा गढ़मुक्तेश्वर मेला, सुरक्षा और सुविधा के होंगे पुख्ता इंतजाम

सीएम योगी ने किया गंगा पूजन, सदर बाजार का किया अवलोकन

30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक चलेगा मेला

गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर में लगने वाले वार्षिक कार्तिक पूर्णिमा मेले और अमरोहा के तिगरी मेले की तैयारियों का निरीक्षण किया और सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेला स्थल का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर हर वर्ष लगभग 40 से 45 लाख श्रद्धालु गंगा तट पर स्नान और दीपदान के लिए पहुँचते हैं, इसलिए सभी व्यवस्थाएँ समयबद्ध और समन्वित हों ताकि किसी को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बता दें कि इस वर्ष 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक चलने वाले इस मेले को ह्यमिनी कुंभह्व के रूप में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। गंगा घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती, सीसीटीवी व ड्रोन निगरानी, रेस्क्यू बोट और हेल्पलाइन सेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जोड़ा जाए तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त चेकर प्लेट लगाई जाएं, पैंटून ब्रिज की व्यवहार्यता का परीक्षण किया जाए और कटान क्षेत्रों में सिंचाई विभाग द्वारा ड्रेजिंग कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान गहराई वाले जल क्षेत्रों में एनडीआरएफ/ एसडीआरएफ और फ्लड यूनिट लगातार सतर्क रहें और आवश्यक बैरिकेडिंग की जाए। श्रद्धालुओं को अनुशासित व्यवहार हेतु प्रेरित करने के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएं। पूरे मेले क्षेत्र में सीसीटीवी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इंटीग्रेटेड कंट्रोल सेंटर की सतत निगरानी सक्रिय रहे। पार्किंग स्थलों पर वाहनों की सुरक्षा, प्रसारण व्यवस्था और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अस्थायी शौचालयों में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की प्रणाली लागू की जाए और किसी भी प्रकार की लीकेज को रोका जाए। घाटों पर भीड़ नियमन, चेंजिंग रूम, स्वच्छ शौचालय, सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, और कचरा एवं बोतल संग्रहण प्रणाली को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति और सभी स्थलों पर इलेक्ट्रिक सेफ्टी का ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में आकर्षक सजावट की जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु होर्डिंग्स लगाई जाएं। साथ ही फायर सेफ्टी सिस्टम, अस्थायी अस्पताल, एंटी-स्नेक वैनम और एंटी-रेबीज वैक्सीन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जल में स्नान के दौरान पुलिस और एनडीआरएफ की पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए, और 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में यातायात डायवर्जन योजना प्रभावी रूप से लागू की जाए ताकि किसी प्रकार का जाम न लगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं से कोई अतिरिक्त शुल्क न वसूला जाए और पशुओं के चारे तथा भोजन-पेयजल की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ड्यूटी पर तैनात स्वयंसेवकों के खान-पान की उचित व्यवस्था की जाए और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि गढ़मुक्तेश्वर का यह ऐतिहासिक मेला न केवल आस्था का केंद्र बने, बल्कि व्यवस्था, स्वच्छता और अनुशासन का आदर्श उदाहरण भी प्रस्तुत करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर का यह आयोजन उत्तर प्रदेश की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। सरकार का लक्ष्य है कि यह मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ सम्पन्न हो, ताकि हर आगंतुक इस पावन तीर्थ से शांति और आशीर्वाद लेकर लौटे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मेला क्षेत्र में गंगा पूजन किया फिर गढ़ मेला क्षेत्र में स्थापित सदर बाजार का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने गढ़मुक्तेश्वर में बनाए जा रहे मोढ़े के स्टोर का भी अवलोकन किया और मोढ़े की क्वालिटी की प्रशंसा की। मालूम हो कि गढ़मुक्तेश्वर का धार्मिक और पौराणिक महत्व अत्यंत प्राचीन है। मान्यता है कि महाभारत के युद्ध के बाद युधिष्ठिर, अर्जुन और भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए यहीं गंगा में स्नान किया था। यही वह स्थान है जहाँ भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर महादेव की स्थापना की थी। स्कंद पुराण और महाभारत में गढ़मुक्तेश्वर का उल्लेख एक ऐसे तीर्थ के रूप में मिलता है, जहाँ गंगा स्नान और तर्पण से मोक्ष की प्राप्ति होती है। यहाँ का कार्तिक पूर्णिमा मेला केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा और लोक जीवन का भी प्रतीक है। ब्रिजघाट और गढ़मुक्तेश्वर घाट पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु स्नान, दीपदान और पितृ-तर्पण के लिए पहुँचते हैं।

गजरौला पुलिस ने वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब के सपना):- पुलिस ने वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर ,एक खोखा कारतूस 315 बोर अवैध बरामद किया है। बता दें कि बीती 25 अक्टूबर को मुकदमा शादी मुकदमा की तहरीर के आधार पर थाना गजरौला पर आबिद उर्फ चैंपियन पुत्र स्व.अहमद हुसैन, ताज मोहम्मद पुत्र आबिद, सोनू पुत्र आबिद,मुस्तकीम पुत्र फकीरा निवासी गन ग्राम शाहबाजपुर डोर थाना गजरौला जनपद अमरोहा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थाना गजरौला पुलिस द्वारा उक्त मुकदमे में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियोग में वांछित

अभियुक्त आबिद उर्फ चैंपियन पुत्र स्व.अहमद हुसैन एवं मुस्तकीम पुत्र नवाब निवासी गांव शाहबाजपुर डोर थाना गजरौला जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभिक्तों के कब्जे से एक 315 बोर का अवैध तमंचा व 315 बर खोखा कारतूस के बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमे की संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

कार्यालय खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी, अमरोहा

पत्रांकः-...../पारावी/गंगा मेला/ 2025-26 दिनांक 27/10/2025

प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत पोरारा,विकासखंड गंगेश्वरी,अमरोहा

उप जिलाधिकारी महोदय हसनपुर द्वारा आयोजित बैठक में निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम पंचायत पोरारा में लगने वाले गंगा मेले के लिए निम्न व्यवस्था की जाएः -

1. 24 शौचालय
2. 12 हैडपंप
3. 06 टेंट सेट
4. पार्किंग बेरिकेटिंग
5. मेला मेन गेट
6. गंगा घाट की बैरिकेटिंग बांस बल्ली
7. स्टीमर और नांव
8. मेला ग्राउंड समलीकरण
9. रास्तों का समतलीकरण
10. पुलिस चौकी निर्माण 11. साउंड लाउडस्पीकर
12. मेला के लिए 25 केवी जेनरेटर
13. लाइट व्यवस्था
14. ट्रैक्टर जेसीबी से समतलीकरण
15. पूरे मेले को व्यवस्थित करना
16. चेंजिंग रूम

महिलाओं सशक्तिकरण, पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए जनपद सम्भल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनपद के सभी थानों पर नियुक्त महिला पुलिस कर्मियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इन कार्यक्रमों में बालिकाओं को आत्मरक्षा, शिक्षा और स्वावलंबन के महत्व के बारे में बताया गया, साथ ही महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए

प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया गया। मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पीएम स्वानिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181, और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी पंपलेट बांटकर जागरूकता फैलाई गई। मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन का डेमो भी दिखाया गया। इस अभियान के माध्यम से सम्भल पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह प्रयास न केवल जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

भीषण सड़क हादसे में दंपति की कार ट्रक से टकराई,दोनों गंभीर रूप से घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के बहजोई-इस्लामनगर मार्ग पर डी.आर. फैक्ट्री के निकट शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक दंपति बुरी तरह घायल हो गए। हादसे का शिकार हुए महेश कुमार सिंह (60), पुत्र उदयवीर सिंह, निवासी उलैया बैटा, थाना बिल्सी, जनपद बदायूं, और उनकी पत्नी अपनी कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। सुबह करीब 5:45 बजे उनकी कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा हादसे की सूचना मिलते ही बहजोई थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर दो एंबुलेंस भी पहुंचीं, जिनके जरिए घायल दंपति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई ले जाया गया।

प्राथमिक उपचार के दौरान दोनों की हालत गंभीर पाए जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार,या चालक का नियंत्रण खो देना माना जा रहा है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। समाचार लिखे जाने तक घायलों की हालत कैसी है इस विषय पर कोई जानकारी नहीं मिल सकी है इस घटना ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

अवैध अस्पताल पर की गई कार्रवाई,बिना स्त्री रोग विशेषज्ञ के हो रही थी डिलीवरी

बिना रजिस्ट्रेशन अस्पताल चलाने की सूचना पर की गई कार्रवाई:- प्रदीप कुमार सिंह

बहजोई/संभल(सब का सपना):- स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने बहजोई के कृष्णा कुंज कॉलोनी में स्थित एहसान हॉस्पिटल पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। शिकायत मिली थी कि अस्पताल बिना वैध रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहा है और बिना स्त्री रोग विशेषज्ञ के डिलीवरी कराई जा रही थी। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर अस्पताल को तत्काल सील कर दिया गया। नोडल अधिकारी डॉ. विश्वास अग्रवाल, सीओ बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह और नायब तहसीलदार रजत कुमार के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। मौके पर एक

जच्चा-बच्चा मिला, लेकिन कोई स्त्री रोग विशेषज्ञ या उनका रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया। अस्पताल के रजिस्ट्रेशन में दर्ज चिकित्सक भी मौजूद नहीं थे। एक आंखों के डॉक्टर ने खुद को संचालक बताया, लेकिन वह कोई वैध कागजात या अनुमति पत्र नहीं दिखा सका। टीम ने अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को तुरंत सीएचसी बहजोई रेफर किया। अनियमितताओं के चलते अस्पताल को सील कर दिया गया, और संचालक के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। सीओ बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने कहा, "बिना रजिस्ट्रेशन अस्पताल चलाने की सूचना पर कार्रवाई की गई। चिकित्सक नहीं मिलने पर तत्काल सीलिंग की गई।" इस कार्रवाई से क्षेत्र में बिना पंजीकरण चल रहे अन्य अस्पतालों में हड़कंप मच गया है। कई अवैध अस्पताल संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर फरार हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर मेला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखण्ड जोया, जनपद अमरोहा के अन्तर्गत ग्राम शहबाजपुर कलां में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर मेला का आयोजन पशुपालन विभाग द्वारा किया गया, इस शिविर का शुभारम्भ राजीव कुमार, मण्डल अध्यक्ष भाजपा, अमरोहा के द्वारा गो-पूजन एवं फीता काटकर किया गया। शिविर में कुल 488 पशुओं का पंजीकरण किया गया जिसमें सामान्य चिकित्सा-51, कृमिनाशक दवापान-241, लघु शल्य चिकित्सा - 19 गर्भ परीक्षण- 23, कृत्रिम गभार्धान - 03, बधियाकरण-09, व बांझपन चिकित्सा-142, का कार्य किया गया। इस मौके पर डा. निलय कुमार, डा. विजेन्द्र सिंहँ व डा. पुष्पेन्द्र कुमार, सजल गिल, राहुल सिंह, मुकुल कान्त पशुधन प्रसार अधिकारी आदि ने भाग लिया। डा. पुष्पेन्द्र कुमार के द्वारा पशुपालन विभाग में चल रही विभिन्न योजनाओं के बारें में पशुपालकों को जानकारी दी गयी, डा. निलय कुमार के द्वारा बांझपन, थनेला रेबीज आदि के बारें में जानकारी दी गयी व डा. विजेन्द्र सिंह के द्वारा पशुधन बीमा, खुरपका मुँहपका एंव गला घोंटू बीमारी के बारें में जानकारी दी गयी।

सर्दियां आते ही बदल गई रामलला की दिनचर्या, आरती-शयन के साथ भोग में भी हुआ बदलाव

अयोध्या। रामनगरी में जैसे ही मौसम ने करवट ली, वैसे ही श्रीरामजन्मभूमि परिसर में भी राग-भोग की परंपरा में बदलाव दिखने लगा। सुबह की ठंडक और शाम की नमी को देखते हुए अब रामलला को गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है। भोग में भी मौसमी परिवर्तन के अनुरूप बदलाव किए गए है। बादाम, काजू, पिस्ता और किशमिश जैसे पौष्टिक ड्राई फ्रूट चढ़ाए जा रहे हैं, ताकि रामलला को सर्दी-जुकाम का कष्ट न हो।राम मंदिर में रामलला पांच साल के बालक के रूप में विराजमान हैं। ऐसे में उनकी सेवा एक बालक के रूप में ही की जाती है। जब-जब मौसम बदलता है तो उनके राग-भोग में भी बदलाव किया जाता है। मौसम के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखते हुए भगवान की सेवा भी उसी अनुरूप ढाली जाती है। स्नान का जल

सुबह हल्का गुनगुना रखा जा रहा है। भोग की थाली में अब तुलसी-दल से सुसज्जित खीर, माखन-मिश्री के साथ मेवे का पंचामृत शामिल है। राम मंदिर के पुजारी ने बताया कि अब चूंकि मौसम में सिहरन शुरू हो गई है। सुबह-शाम ठंड होने लगी है, इसलिए बालकराम के राग-भोग में परिवर्तन कर दिया गया है। बालकराम को सुबह 4:30 बजे जगाया जाता है और उन्हें स्नान कराया जाता है। उन्हें ठंड न लगे, इसलिए अब उन्हें गुनगुने पानी से स्नान कराया जाता है। साथ ही भोग में भी बदलाव किया गया है। भोग में रबड़ी व पेड़ा दिया जा रहा है। ड्राई फ्रूट्स जैसे काजू, बादाम व पिस्ता भी दिया जा रहा है। पिस्ता मिलाकर गर्म दूध दिया जा रहा है। भोजन में पूड़ी व हलुआ परोस रहे हैं। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भव्य निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब मंदिर में धार्मिक आयोजन और औपचारिक कार्यक्रमों की तैयारियां जोरों पर हैं। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि अब जब मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है, तो भगवान श्रीराम के साथ पूरा ह्यराम परिवारह्ण मंदिर की पहली मंजिल पर विराजमान है। यह मंदिर के निर्माण सफर का ऐतिहासिक क्षण है, जिसका साक्षी पूरा देश बनेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के शिखर पर ह्यध्वजह्ण फहराएंगे, उसी दिन ह्यराम परिवारह्ण की विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा किया जा रहा है, जिसकी जिम्मेदारी चंपत राय को सौंपी गई है। इस कार्यक्रम में 6000 से 8000 आमंत्रितों को शामिल किया जाएगा, जिनमें संत, धार्मिक नेता, श्रद्धालु और कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे। अयोध्या में इस अवसर पर व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं, ताकि आयोजन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन सके।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 37 मामलों का निस्तारण, 9 परिवारों का पुनर्मिलन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में सेल प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर हल करने का प्रयास किया गया। बैठक में कुल 152 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिनमें से 37 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही 9 परिवारों को पुनर्मिलन कराने में सफलता प्राप्त हुई। 5 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की सिफारिश की गई, जबकि 23 पत्रावलियां न्यायालय में विचाराधीन होने या आवेदक द्वारा सहयोग न करने के कारण बंद करने की संस्तुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, विधिक परामर्शदाता लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट श्वेता गुप्ता, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, रश्मि गहलोत, ज्योति, रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। यह पहल सामाजिक समरसता और पारिवारिक विवादों के निपटारे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पुरानी रंजिश में फावड़े से बेटे पर हमला, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बबराला क्षेत्र के ग्राम पहलवाड़ा में पुरानी दुश्मनी के चलते एक परिवार पर हुए बर्बर हमले के मामले में पुलिस ने तेजी दिखाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित महावीर पुत्र हीरामन ने बताया कि अभियुक्तों ने गाली-गलौज के बाद उसके बेटे महेश पर फावड़े से जानलेवा हमला किया, जिससे महेश के सिर पर गंभीर चोटें आईं।घटना की जानकारी देते हुए महावीर ने थाने में तहरीर दी कि अभियुक्तों ने पुरानी रंजिश को लेकर उनके परिवार पर हमला बोला। जब बेटे महेश ने गालियों का विरोध किया, तो अभियुक्त नितीश ने हाथ में लिया फावड़ा सिर पर दे मारा। अन्य अभियुक्तों ने भी मां-बहन की अभद्र गालियां दीं और जान से मारने की

धमकियां देते हुए भाग गए। इस मामले में थाना बबराला पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें थाना बबराला की पुलिस टीम ने मुकदमे से संबंधित मुख्य आरोपी सत्यप्रकाश पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम पहलवाड़ा को नूरपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही थी और उसकी गिरफ्तारी से मामले में नया मोड़ आ गया है। अन्य अभियुक्तों की तलाश और जांच जारी है। पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की है, लेकिन उन्होंने बाकी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

महिलाओं सशक्तिकरण, पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए जनपद सम्भल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनपद के सभी थानों पर नियुक्त महिला पुलिस कर्मियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इन कार्यक्रमों में बालिकाओं को आत्मरक्षा, शिक्षा और स्वावलंबन के महत्व के बारे में बताया गया, साथ ही महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया गया। मिशन शक्ति 5.0 के तहत

महिला पुलिस कर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पीएम स्वानिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181, और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में भी पंपलेट बांटकर जागरूकता फैलाई गई। मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन का डेमो भी दिखाया गया। इस अभियान के माध्यम से सम्भल पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह प्रयास न केवल जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

कैथल के 14 युवक अमेरिका से डिपोर्ट, दिल्ली एयरपोर्ट से लाई पुलिस, एक आरोपी हिरासत में

कैथल : अवैध तरीके से विदेश जाकर बेहतर भविष्य की तलाश में निकले कैथल जिले के 14 युवकों को अमेरिका की सरकार ने डिपोर्ट कर दिया। यह सभी युवक ह्यडंकी रूटह्व के माध्यम से अमेरिका पहुंचे थे। इनमें से कुछ युवक कई-कई साल से अमेरिका में रह रहे थे, जबकि कुछ कुछ महीने पहले ही वहां गए थे। इनमें से कुछेक को अमेरिका में पकड़े जाने के बाद डेढ़ साल तक जेल में रखा गया था। सभी युवाओं की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। इन युवाओं में कई ऐसे भी हैं जिन्होंने विदेश जाने के लिए घर-परिवार की जमीन तक बेच दी, व कुछ ने कर्ज लेकर यह जोखिम भरा रास्ता चुना था।

दिल्ली से पुलिस लाई कैथल

रविवार सुबह कैथल पुलिस टीम ने इन सभी युवाओं को दिल्ली एयरपोर्ट से रिसीव किया और उन्हें कैथल पुलिस लाइन लाया गया। यहां डीएसपी ललित यादव के नेतृत्व में सभी युवकों की बाकायदा पूछताछ और दस्तावेजों की जांच की गई। पूछताछ के दौरान तारागढ़ निवासी नरेश कुमार का क्रिमिनल रिकॉर्ड सामने आने पर उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। जानकारी के अनुसार नरेश कुमार चैक बाउंस व एक्साइज एक्ट से संबंधित मामले में भगोड़ा चल रहा था। बाकी 13 युवकों का कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने

नहीं आया, जिन्हें पूछताछ के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया।डिपोर्ट किए गए युवकों में तारागढ़ निवासी नरेश कुमार, पीडल निवासी कर्ण, अग्रसेन कॉलोनी निवासी मुकेश, कैथल निवासी ऋतिक, जडोला निवासी सुखबीर सिंह, हाबड़ी निवासी अमित व दमनप्रीत, बुच्ची निवासी अभिषेक, बात्ता निवासी मोहित, पबनावा निवासी अशोक कुमार, सेरधा निवासी आशीष, सिसला निवासी प्रभात तथा ढांड निवासी सतनाम सिंह शामिल हैं। इनमें से कई युवक 5 से 7 साल तक अमेरिका में रह रहे थे, वहीं कुछ युवक हाल ही में गए थे और पकड़े जाने के बाद से जेल में बंद थे। बताया गया कि इन युवकों को दिल्ली लाने तक हाथ और पैरों में बेड़ियां लगाई गई थीं। डीएसपी ललित यादव ने बताया कि सभी युवक डंकी रूट के माध्यम से अमेरिका में घुसे थे, जिसे अमेरिका की सरकार ने अवैध मानते हुए उन्हें वापस भेज दिया। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी युवक ने उन एजेंटों के खिलाफ शिकायत दर्ज नहीं करवाई है, जिन्होंने उन्हें गलत तरीके से विदेश भेजा था। यदि कोई शिकायत करता है तो पुलिस उसी अनुसार कार्रवाई करेगी। युवाओं ने कहा कि वे पहले परिवार से बातचीत करेंगे और उसके बाद ही आगे का निर्णय लेंगे। गौरतलब है कि इसी वर्ष फरवरी माह में भी कैथल जिले के करीब 18 युवकों को अमेरिका ने डिपोर्ट किया था। इसके बावजूद जिले में डंकी रूट का जाल सक्रिय है और कई युवा लालच व मजबूरी में यह जोखिम उठाते जा रहे हैं। एक और डिपोर्ट फ्लाइट 3 नवंबर को आएगी

डिपोर्ट हुए एक युवक ने बताया कि 3 नवंबर को एक और विमान भारत आने वाला है, जिसमें कैथल व आस-पास क्षेत्रों के कई अन्य युवकों के भी डिपोर्ट होने की संभावना है। यह स्थिति जिले में अवैध विदेश भेजने वाले नेटवर्क के फैलाव और उसके खतरनाक परिणामों को स्पष्ट रूप से दशार्ती है।

52 दिन बाद भी नहीं मिले नए सबूत, पिता बोले- न्याय जरूर मिलेगा

भिवानीः मनीषा मौत मामले की गुत्थी 52 दिन बाद भी उलझी हुई है। हत्या की एफआईआर दर्ज हुए इतना समय बीत जाने के बावजूद सीबीआई को अब तक कोई नया सबूत नहीं मिला है। हालांकि दिल्ली एम्स की तीसरे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मनीषा की हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। सीबीआई टीम अब तक सात बार घटनास्थल का मुआयना कर चुकी है और कई नए लोगों से पूछताछ भी कर चुकी है। मनीषा के पिता संजय का कहना है कि भले ही जांच में देरी हो रही है लेकिन उन्हें भरोसा है कि बेटी की मौत में देर से ही सही, न्याय जरूर मिलेगा। बता दें कि 11 अगस्त को लापता हुई ढाणी लक्ष्मण निवासी मनीषा का शव 13 अगस्त को गांव सिंघानी के नहर किनारे पेड़ के नीचे मिला था। यह मामला इतना पेचीदा है कि जांच अधिकारी हर सवाल का जवाब ढूंढते हुए किसी नए सवाल में उलझ जाते हैं। मनीषा के परिवार की शिकायत पर तीन सितंबर को यह मामला सीबीआई को सौंपा गया था। 25 सितंबर को टीम दिल्ली लौट गई थी। दिल्ली एम्स की तीसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल रिपोर्ट मिलने के बाद छह अक्तूबर को टीम दोबारा भिवानी पहुंची। सीबीआई ने दिल्ली से लौटने के बाद 13 दिनों तक लगातार पूछताछ और छानबीन की। 18 अक्तूबर को दो अधिकारी छुट्टी लेकर दिल्ली लौट गए। दिवाली के बाद टीम फिर भिवानी आकर जांच में जुट गई। डेढ़ माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद जांच अभी पूरी नहीं हो सकी है।

हरियाणा एसटीएफ को बड़ी सफलता, अमेरिका से वापस लाया गया गैंगस्टर लॉरेंस के करीबी लखविंद्र

अंबाला : हरियाणा एसटीएफ की अंबाला यूनिट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी लखविंद्र उर्फ लाखा को गिरफ्तार किया है। लखविंद्र को 2023 में अंबाला के सेक्टर-9 पुलिस थाना क्षेत्र में दर्ज एक मामले के तहत पकड़ा गया है। उस पर अवैध हथियार रखने, धमकी देने, नुकसान पहुंचाने और साथियों के साथ मिलकर जबरन वसूली की कोशिश करने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, लखविंद्र को हाल ही में अमेरिका में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद 25 अक्टूबर 2025 को उसे भारत डिपोर्ट किया गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही हरियाणा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। आज उसे अदालत में पेश किया जाएगा। लखविंद्र हरियाणा के कैथल जिले के तितरम गांव का रहने वाला है। वह 2022 से गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई के निर्देश पर अमेरिका में सक्रिय था। उस पर हरियाणा के पांच जिलों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इंटरपोल ने जारी किया था रेड कॉर्नर नोटिसलखविंद्र के खिलाफ 26 अक्टूबर 2024 को इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी

किया था। इसी नोटिस के आधार पर एफबीआई ने उसे अमेरिका में पकड़ा और अब उसे भारत भेज दिया गया है। हरियाणा एसटीएफ अब उससे उसके नेटवर्क और गैंग की गतिविधियों को लेकर पूछताछ कर रही है।

सासू मां से नाराजगी! पत्नी की जिद में तबाह हुआ परिवार, पति ने 15वीं मंजिल से कूदकर दी जानू

फरीदाबादः ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-87 स्थित एसआरएस पर्ल सोसाइटी में शुक्रवार देर रात एक रेडियोथेरेपिस्ट ने 15वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के ग्वालियर निवासी 39 वर्षीय योगेश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि योगेश पिछले कुछ समय से पत्नी से चल रहे विवाद के चलते मानसिक तनाव में था। मामले की जांच कर रही भूपानी थाना पुलिस ने मृतक के चाचा प्रकाश सिंह की शिकायत पर पत्नी नेहा रावत, ससुर वीर सिंह रावत, सास शांति रावत और साले आशीष व अमित रावत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। पुलिस जांच के अनुसार, योगेश मूल रूप से ग्वालियर की विवेकानंद कॉलोनी का रहने वाला था और गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में रेडियोथेरेपिस्ट के पद पर कार्यरत था। उसकी शादी करीब नौ साल पहले नोएडा निवासी नेहा रावत से हुई थी जो एक फार्मा कंपनी में मैनेजर है। दोनों का एक पांच वर्षीय बेटा है, जो इन दिनों ग्वालियर में दादा-दादी के पास रह रहा है। परिजनों के अनुसार पति-पत्नी के बीच बच्चे की देखभाल को लेकर लंबे समय से मतभेद चल रहे थे। योगेश अपनी मां को अपने पास रखना चाहता था लेकिन नेहा इसके खिलाफ थी। करीब छह महीने पहले योगेश बेटे और मां के साथ पर्ल सोसाइटी में रहने आ गया था। जबकि नेहा नोएडा में ही थी। करीब एक माह पहले नेहा भी वहीं आकर रहने लगी, जिसके बाद घर में झगड़े बढ़ गए।आरोप है कि विवाद के दौरान नेहा ने अपने भाइयों को भी बुला लिया था जिन्होंने योगेश से झगड़ा किया।

देश के टॉप 5 प्रदूषित शहरों में से 4 हरियाणा के, इसे जिले की हवा देशभर में सबसे जहरीली

चंडीगढ़ः दीवाली के बाद से ही हरियाणा में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के टॉप 5 प्रदूषित शहरों में से 4 हरियाणा के है। इन शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं है। दिल्ली से सटे हरियाणा के बहादुरगढ़ का एक्यूआई 324, धारूहेड़ा और 307 और पानीपत का एक्यूआई 306 रहा। वहीं नोएडा का एक्यूआई 324 रहा। वहीं पंजाब के साथ लगते जिले फतेहाबाद की हवा सबसे जहरीली बनी हुई है। यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स 329 दर्ज किया गया। इन शहरों में सांस लेना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। अगर बात तापमान की करें तो शनिवार को नारनौल की रात सबसे ठंडी रही। यहां तापमान 14.6 डिग्री

पर पहुंच गया। वहीं हिसार में तापमान 15.8 डिग्री दर्ज किया गया है। प्रदेश के अधिकांश जिलों का न्यूनतम तापमान 15 से 18 डिग्री के बीच रहा। वहीं मौसम विभाग ने 28 और 29 अक्टूबर को मौसम बदलने की संभावना जताई है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हरियाणा में बादल छाएंगे। हवा की गति तेज होने से प्रदूषण का स्तर कम हो सकता है। वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में ठंड और बढ़ सकती है 19 अक्टूबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांसिबल एक्शन प्लान के चरण 2 को लागू किया था।

अगर एक्यूआई 201 से 300 के बीच है, तो हवा खराब मानी जाती है। इसमें ग्रैप का पहला स्टेज लागू होता है। 301 से 400 के बीच एक्यूआई होने पर हवा बहुत खराब होती है और ग्रैप का दूसरा स्टेज लागू किया जाता है। जब एक्यूआई 401 से 450 के बीच होता है, तो हवा गंभीर श्रेणी में आती है और ग्रैप का तीसरा स्टेज लागू होता है। अगर, एक्यूआई 450 से ऊपर चला जाए तो हवा बेहद गंभीर मानी जाती है और ग्रैप का चौथा स्टेज लागू होता है।

पंचायत ने की सरकार से खास मांग, जल्द ही सीएम सैनी से करेंगे मुलकात

रोहतकः एएसआई संदीप लाठर का जुलाना में श्मशान के नजदीक नगर पालिका की जमीन पर स्मारक बनाने की मांग सरकार से की जाएगी। शनिवार को जुलाना में हुई पंचायत में यह मांग सरकार के सामने रखने का निर्णय लिया गया। पंचायत में परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। परिजनों ने बताया कि संदीप की मौत के बाद समाज के लोग सांत्वना देने घर आ रहे थे। इस दौरान सामने आया कि एएसआई संदीप लाठर का शहीदों की तरह स्मारक बनना चाहिए। जुलाना में ही नगर पालिका में श्मशान के नजदीक खाली जमीन ली जा सकती है। जिला परिषद जींद के चेयरमैन कुलदीप ने कहा था कि पहले संदीप लाठर ट्रस्ट का गठन करके पंजीकरण करवाया जाए। ट्रस्ट को वह ग्रांट दिलवाने का प्रयास करेंगे। मंथन के बाद पंचायत में निर्णय हुआ कि इस मांग को लेकर मुख्यमंत्री सैनी से मिला जाए। इसके लिए ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा से बात हुई। ओएसडी ने कहा कि वह खुद परिवार से मिलने जुलाना आएंगे और परिजनों से हर मांग पर बातचीत होगी। एएसआई संदीप लाठर सुसाइड केस की जांच कर रही एसआईटी तथ्यों

को एकत्रित कर रही है। इसके लिए उस गोली का बरामद होना जरूरी है जिससे संदीप की मौत हुई है। घटना के 11 दिन बाद भी जांच टीम घटनास्थल से गोली का खोल बरामद नहीं कर सकी है। एक्सपर्ट के मुताबिक गोली मिल जाती है तो उस पर लगे ब्लड का संदीप के ब्लड से मिलान हो सकता है।

हैडमास्टर ने तार जोड़ने सीढ़ी पर था चढ़ाया, 8वीं कक्षा के छात्र को 11 हजार वोल्ट की लाइन से लगा करंट

पलवलः निकटवर्ती हथीन क्षेत्र के गांव के स्कूल में 8वीं कक्षा के छात्र की 11 हजार वोल्ट लाइन की चपेट में आने से करंट लग गया। पहाड़पुर गांव निवासी असलम ने हथीन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका नाबालिग बेटा रिहान स्कूल में 8वीं कक्षा में पढ़ता है। 18 अक्तूबर को रिहान घर से स्कूल पढ़ने के लिए गया था। स्कूल के हैडमास्टर सहुन ने रिहान को कक्षा से बुलाया और स्कूल के गेट पर ले गए। यहां पहले ही टीचर राजेश सीढ़ी लेकर खड़ा था। असलम ने आरोप लगाया कि साहुन और राजेश ने जबरन रिहान को प्लास पकड़ाकर सीढ़ी से ऊपर बिजली का तार जोड़ने के लिए भेज दिया। गेट के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की लाइन गुजर रही थी। तभी रिहान तार

की चपेट में आ गया और उसे जोरदार करंट लगा। वह करंट लगते ही जमीन पर जाकर गिरा। इसके बाद स्कूली छात्रों और आसपास के लोगों ने मिट्टी से रिहान के हाथ और पैर मसले लेकिन कोई आराम नहीं हुआ। सूचना पर परिवार के लोग भी स्कूल पहुंच गए। इसके बाद वे रिहान को तुरंत नल्हड़ मैडीकल कालेज लेकर गए जहां उसकी हालत नाजुक देखते हुए डाक्टरों ने उसे रोहतक पी. जी.आई. रैफर कर दिया। रिहान की हालत गंभीर बनी हुई है। अब उसको घर ले आए हैं। हथीन थाना प्रभारी हरिकिशन ने बताया कि छात्र के पिता की शिकायत पर हैडमास्टर साहुन व मास्टर राजेश के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। छात्र के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आईपीएस पूरन कुमार की अंतिम अरदास आज, नाडा साहिब गुरुद्वारा में हुआ आयोजन

चंडीगढ़ः हरियाणा के सीनियर आईपीएस वाई पूरन कुमार की अंतिम अरदास आज पंचकूला स्थित नाडा साहिब गुरुद्वारा में होगी। अंतिम अरदास में शामिल होने के लिए प्रदेश के सभी आईपीएस और आईएएस अधिकारियों को बुलाया गया है। 31 मेंबरी कमेटी के लीगल एडवाइजर ओपी इंदल ने बताया कि हरियाणा के सभी आईपीएस और आईएएस अधिकारियों के आने की संभावना है। अंतिम अरदास के आयोजन में प्रदेशभर से करीब 15 हजार लोगों के आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि रोहतक में सुनारिया स्थित पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में पोस्टेड आईजी वाई पूरन कुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था। उन्होंने 8 पेज का सुसाइड नोट और एक पेज की वसीयत छोड़ी। सुसाइड नोट में उन्होंने हरियाणा के डीजीपीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के तत्कालीन एसपीनरेंद्र बिजारणिया समेत 15 मौजूदा व पूर्व अधिकारियों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। इस केस की जांच चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी कर रही है। एसआईटी रोहतक में दर्ज एफआईआर के संबंध में 8 पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें वे अधिकारी शामिल हैं जो रोहतक एफआईआर और दिवंगत आईपीएस अधिकारी के चंडीगढ़ स्थित घर और ऑफिसर, दोनों के महत्वपूर्ण मोड़ों पर मौजूद थे। इस पूरे मामले की जांच चंडीगढ़ के सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही

है, जो आईपीएस वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार के द्वारा दर्ज कराई गई है। एसआईटी रोहतक के शराब कारोबारी प्रवीण बंसल और रोहतक के पूर्व एसपी नरेंद्र बिजारणिया से भी पूछताछ करने की योजना बना रही है, ताकि एफआईआर से पहले उनकी भूमिका और बातचीत स्पष्ट हो सके। इसको लेकर जल्द ही चंडीगढ़ एसआईटी नोटिस भी जारी करेगी। रोहतक एफआईआर में नामजद गनमैन सुशील कुमार से भी पूछताछ की गई है।एसआईटी ने हरियाणा से मांगे ये अहम दस्तावेज आईपीएस पूरन कुमार ने आईजी होम गार्ड रहते 14 नवंबर 2023 को लेटर लिखा था, जिसमें पुलिस परिसरों में 140 पूजा स्थलों को एक्स पोस्ट फैक्टो मंजूरी देने, 2001 बैच (वाई पूरण कुमार बैच) को 1 जनवरी 2015 से प्रमोशन दोबारा फिक्स करने की बात लिखी थी। इस पत्राचार की कॉपी मांगी गई है।

आईपीएस अमिताभ ढिल्लों के खिलाफ 29 अगस्त 2024 को भेजी गई शिकायत की कॉपी मांगी गई है। इसके बारे में पूरन कुमार ने लास्ट नोट में लिखा कि इस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की तरफ से भेजा लेटर मांगा गया है। इस आधार पर एफआईआर दर्ज करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं हुई।

तत्कालीन एसीएस होम, अनुराग रस्तोगी को 21 अगस्त 2024 और 25 सितंबर 2024 को भेजे गए सरकारी पत्र की कॉपी मांगी गई है। लास्ट नोट में पूरन कुमार ने लिखा कि इन पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा, प्रतिवेदनों/शिकायतों पर एकतरफा दफ्तर दाखिल कर दिया गया। शिकायतकर्ता को बयान या दस्तावेज देने का कोई मौका नहीं दिया। वाई पूरन कुमार ने लास्ट नोट में लिखा था कि उनकी 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए वार्षिक रिपोर्ट में की गईं टिप्पणियां तथ्यात्मक रूप से गलत, पूरी तरह काल्पनिक, निराधार, व्यक्तिगत पूर्वाग्रह से ग्रस्त और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन थी। इस संबंध में हुए पत्राचार की कॉपी मांगी गई।

खबर एक्सप्रेस

सोनीपत में अपराधी बेलगाम! बुजुर्ग की ईंट से हमला कर बेरहमी से हत्या, खेत में चारपाई पर पड़ा मिला शव

सोनीपत : सोनीपत के गांव मलिकपुर में बुजुर्ग की ईंट से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। बुजुर्ग का शव खेत में चारपाई पर पड़ा मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक साइंस लैब की टीम को बुलाकर सबूत जुटाए गए हैं। बता दें कि सोनीपत के गांव मलिकपुर निवासी जयफल (65) गन्नौर में मिष्ठान भंडार चलाते थे। परिवार को रविवार सुबह उनके एक ग्रामीण के खेत में मृत मिलने की जानकारी मिली। परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देखा कि ईंट से हमला कर बुजुर्ग की हत्या की गई थी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।जयफल का शव खेत में खून से लथपथ हालत में मिला है। जयफल के भतीजे आशीष ने बताया कि शनिवार की शाम को चाचा से उनकी सामान्य बातचीत हुई थी। सुबह अचानक उनकी हत्या की सूचना मिली। इस वारदात ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। सिर व चेहरे पर ईंटों से हमला किया गया है। उनका कहना है कि मृतक का मोबाइल व अंगूठी नहीं मिली है। साथ ही कोई रुपये भी उनके पास नहीं मिले है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि हत्या के पीछे क्या वजह थी। रंजिश, लूटपाट या किसी अन्य कारण से हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस ने कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है। एफएसएल टीम ने मौके से खून, मिट्टी और ईंट के नमूने जुटाए हैं। पुलिस ने आसपास के खेतों और रास्तों पर भी साक्ष्य तलाशे हैं। मामले को लेकर पुलिस प्रेस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने कहा कि बुजुर्ग की हत्या करने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोहतक-पानीपत हाइवे पर 2 गाड़ियों में भीषण टक्कर, ऑटो चालक की मौत

गोहाना : गोहाना में रोहतक पानीपत हाइवे पर गांव रूखी से भैंसवान के पास रविवार सुबह एक्सीडेंट का मामला सामने आया है, जिसमें ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इक्को सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर स्थानीय थाना पुलिस पहुंची है और घायलों को अस्पताल पहुंचाया है और वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक हॉस्पिटल गोहाना भेजा है। जानकारी के अनुसार हादसा गोहाना से रोहतक रोड पर बल्हारा ढाबे के पास हुआ। इक्को और ऑटो की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पूरी तरह पलट गया और चालक अंदर ही फंस गया। हादसे में ऑटो चालक पंकज की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, इक्को में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए जिन्हें तुरंत गोहाना के नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें हालत गंभीर देखते हुए खानपुर पीजीआई रेफर कर दिया गया। पंकज अपनी ऑटो से रोहतक से गोहाना कुछ सामान की डीलवरी देने का रहा था। वहीं जब गांव रूखी के पास पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तार से आ रही इको गाड़ी ने टक्कर मार दी। वहीं ईको में सवार दो तीन लोगों को चोट आई है। घायलों को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। जहां दो की हालात को देखते हुए खानपुर महिला मेडिकल रेफर किया है। वहीं पुलिस ने पंकज के शव को पोस्ट मार्टम के लिए अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। वहीं मृतक के एक परिचित ने बताया कि पंकज दुआ मेरा पड़ोसी है आज सुबह पुलिस का फोन आया कि पीछे से एक ईको ने ऑटो को टक्कर मार दी टक्कर लगने से ड्राइवर नीचे दब गया। पंकज रोहतक से गोहाना सामान लोड कर जा रहा था। यहां हॉस्पिटल में आए तो उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं ईको चालक के बेटे ने बताया कि उसके पापा रोहतक पीजीआई से वापिस गांव आ रहे थे ऑटो अपनी लाइन बदल रहा था अचानक उसकी टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भैंसवान पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

एएसआई संदीप लाठर के घर पहुंचे हरियाणा के राज्यपाल, परिजनों से 40 मिनट तक की बातचीत

जुलाना : हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष आज एएसआई संदीप लाठर के घर पहुंचे और उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने एएसआई के परिजनों से 40 मिनट कर बातचीत की। राज्यपाल असीम कुमार घोष के जुलाना पहुंचने से पहले एएसआई संदीप लाठर के घर के बाहर और गलियों में पुलिस तैनात की गई थी। वहीं, सुबह से ही नगर पालिका के कर्मचारियों की ओर से गलियों की सफाई की गई। स्थानीय लोगों ने कहा कि कुछ देर में हरियाणा के राज्यपाल के आने के चलते नगर पालिका ने इलाके की गलियों की सफाई की है।

चलती बस में लगी भीषण आग, यात्रियों में मची चीख-पुकार... 50 से अधिक यात्रियों की बची जान

हरियाणा : जिले में बीती रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। अलीगढ़ रोड पर चांदहट गांव के पास, उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को ले जा रही एक लंबी दूरी की बस में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि बस चालक ने धुआं देखते ही फौरन गाड़ी रोक दी और सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। चांदहट थाना प्रभारी सुंदरपाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह बस भिवाड़ी (राजस्थान) से चलकर उत्तर प्रदेश के बलिया जा रही थी। बस में 50 से अधिक मजदूर सवार थे। पुलिस के अनुसार, यात्रियों ने बताया कि बस के अंदर एक खाली सीट से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ। धुआं देखते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने जोर-जोर से शोर मचाना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी सुंदरपाल ने बताया, यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर ड्राइवर ने बिना समय गंवाए तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिससे सभी लोग सुरक्षित नीचे उतर गए। चालक की सूझबूझ के चलते यात्रियों की जान तो बच गई, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि चंद मिनटों में ही पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। पुलिस और यात्रियों ने मिलकर कुछ सामान तो बाहर निकाल लिया, लेकिन कई मजदूरों के बिस्तर और पुराने कपड़े आग की भेंट चढ़ गए।चांदहट पुलिस ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। हालांकि, फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही पूरी बस जलकर खाक हो चुकी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि देर रात का समय होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए तुरंत बस मालिक से संपर्क किया गया, जिसके बाद दूसरी बस का इंतजाम किया गया। सभी श्रमिकों को उस वैकल्पिक बस से उनके गंतव्य (बलिया) की ओर सकुशल रवाना कर दिया गया। बस में सफर कर रहे एक यात्री, रोहित ने बताया कि आग लगने के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई थी। उन्होंने कहा, चालक ने जो सूझबूझ दिखाई, उसी की वजह से हम सब जिंदा बच पाए। अगर ड्राइवर ने तुरंत बस न रोकी होती, तो राजस्थान या आंध्र प्रदेश जैसे बड़े बस हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती थी। पुलिस फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच कर रही है, लेकिन प्रथम दृष्टया माना जा रहा है कि यह हादसा शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी के कारण हुआ होगा।

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली ! इंडिया गेट पर AQI 325, सांस लेना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता एक बार फिर तेजी से बिगड़ने लगी है। सेंटर के अर्ली वॉर्निंग सिस्टम (EWS) ने चेतावनी दी है कि वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) रविवार को बहुत खराब श्रेणी में बना रहेगा जिससे दिल्लीवासियों की चिंता बढ़ गई है। आज सुबह इंडिया गेट जैसे प्रमुख स्थान पर AQI स्तर 325 दर्ज किया गया जो बहुत खराब (Very Poor) श्रेणी में आता है। लोधी रोड पर भी अदक 287 रिकॉर्ड किया गया जिसके चलते पूरे शहर में पानी के स्प्रिंकलर (Water Sprinklers) तैनात किए गए हैं। प्रदूषण पर गरमाई सियासतः आप-बीजेपी में आरोप-प्रत्यारोप प्रदूषण के खराब होते हालातों के बीच दिल्ली की सियासत एक बार फिर गरमा गई है और आम आदमी पार्टी (आप) तथा भारतीय जनता पार्टी (BJP) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। आप का आरोपः आप नेता सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें MCD के ट्रक आनंद विहार स्थित एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन के बाहर पानी छिड़कते दिख रहे थे। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार अदकरीडिंग में हेरफेर

(Manipulation) कर रही है। पर्यावरण मंत्री का पलटवारः जवाब में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिरसा ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रदूषण कम करने के उपाय के तौर पर पूरे शहर में पानी का छिड़काव किया जाता है और GRAP (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के तहत भी इसकी सिफारिश की गई है। मौसम पूर्वानुमानः धीमी हवा बिगाड़ेगी हालत मौसम विभाग (IMD) के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में हवा की गति धीमी रहने की संभावना है जो प्रदूषण के कणों को हवा में जमा रखने का काम करेगी जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।
हवा की गतिः एहर के मुताबिक रविवार को हल्की उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलेंगी जिनकी गति सुबह लगभग 4 किमी/घंटा और दोपहर में लगभग 8 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। तापमानः शनिवार को न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा जो इस महीने का सबसे कम तापमान था। रविवार को अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। IMD ने सोमवार को हल्की बारिश और कोहरे का भी अनुमान लगाया है जिससे प्रदूषण में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्लीवासियों को सलाह दी गई है कि वे अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें और प्रदूषण से बचाव के सभी उपाय करें।

खबर एक्सप्रेस

सातारा लेडी डॉक्टर सुसाइड केस में एक्शन, पुलिस ने रेप आरोपी सब-इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है। इस केस में अब बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने फरार सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने को गिरफ्तार कर लिया है। वह घटना के बाद से ही फरार था और उसकी तलाश में पुलिस कई दिनों से छापेमारी कर रही थी। इससे पहले पुलिस ने दूसरे आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर को गिरफ्तार किया था। यह मामला सतारा के फलटण उपजिला अस्पताल में तैनात 28 वर्षीय महिला डॉक्टर का है। 23 अक्टूबर की रात उन्होंने एक होटल के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो डॉक्टर की हथेली पर कुछ नाम लिखे हुए थे, और कमरे से चार पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ था। सुसाइड नोट में डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदाने ने उनके साथ चार बार बलात्कार किया। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर लंबे समय से उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत दोनों के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में केस दर्ज किया। जांच के दौरान डॉक्टर का एक चार पन्नों का हस्तलिखित लेटर भी मिला, जिसमें उन्होंने एक सांसद (MP) और उसके निजी सचिव (PA) का उल्लेख किया है। हालांकि, किसी का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया है। डॉक्टर ने यह भी लिखा कि उनसे कई बार पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलवाने का दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इसी कारण वह लंबे समय से तनाव में थीं और मानसिक रूप से टूट चुकी थीं।

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले की जांच का जिम्मा संभाला

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके की एक रैली के दौरान भगदड़ मचने से संबंधित मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक विशेष टीम तमिलनाडु के करूर में स्थित वेलुसामीपुरम में घटनास्थल का दौरा कर चुकी है। सत्ताइस सितंबर को विजय रैली के दौरान भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 60 से अधिक व्यक्ति घायल हुए थे। उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के अनुसार, सीबीआई ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर नयी प्राथमिकी दर्ज कर ली है और स्थानीय अदालत को भी इस घटनाक्रम की जानकारी दे दी है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने स्वतंत्र जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसके निर्देश पर जांच सीबीआई को सौंपी गई है।

दिल्ली में सौतेले बेटे ने पिता के खाते से 26 लाख रुपये उड़ाए, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने एक ऐसा मामला उजागर किया है जिसने रिश्तों को शर्मसार कर दिया है. यहां एक सौतेले बेटे ने अपने ही पिता के बैंक खाते से 26 लाख से ज्यादा की रकम निकाल ली. आरोपी बेटे शिवम शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. दिल्ली पुलिस के मुताबिक 68 साल के बुजुर्ग पीड़ित आजादपुर मंडी में पहले पार्किंग का काम करते थे. उम्र और तबीयत की वजह से वे अपने बैंक से जुड़े काम बेटे को सौंप देते थे. लेकिन बेटे ने इसी भरोसे का फायदा उठाकर ठगी कर डाली.
दिल्ली पुलिस के मुताबिक मार्च 2025 में जब पिता अपनी पहली पत्नी के अंतिम संस्कार में गए थे, तब शिवम ने उनका मोबाइल सिम निकाल लिया और उसी से बैंक से जुड़ा वढकक्ऊबना लिया. इसके बाद उसने ऑनलाइन सोने के सिक्के और बिस्किट खरीदे, जिन्हें घर की दीवार में बनी अलमारी में कपड़े में लपेटकर छिपा दिया. इतना ही नहीं, करीब 6 लाख रुपये नकद साइबर कैफे वालों के जरिए निकाले गए, जिन्हें कमीशन के तौर पर कुछ हिस्सा दिया गया. जब पिता को बैंक खाते में गड़बड़ी दिखी तो उन्होंने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई. हैरानी की बात यह रही कि शिकायत दर्ज कराने में शिवम ने खुद पिता की मदद की और मासूम बनने का नाटक करता रहा. दिल्ली पुलिस की अहम कार्रवाई
दिल्ली पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया. दिल्ली पुलिस की टीम साइबर एनालिसिस और लोकल इंटेलिजेंस के जरिए आरोपी तक पहुंच बनाई. दिल्ली पुलिस ने आरोपी के घर से करीब 100 ग्राम सोना बरामद किया और 3 लाख की रकम उसके एचडीएफसी खाते से फ्रीज की. ठगी के पीछे की वजह पूछताछ में पता चला कि शिवम अपने पिता से नाराज था क्योंकि पिता ने अपना पार्किंग व्यवसाय पहले विवाह से हुए बेटे को दे दिया था. इसी जलन में उसने चार महीने तक यह ठगी की योजना रची और पिता की मेहनत की कमाई हड़प ली.

दिल्ली पुलिस ने 66,000 से अधिक आयातित सिगरेट जब्त, दो गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने तस्करी कर लाई गईं सिगरेट बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से 66,400 अंतरराष्ट्रीय सिगरेट बरामद की गई हैं जिसकी कीमत करीब 12 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि बेची जा रही इन सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी भी नहीं लिखी हुई थी।
उन्होंने बताया, आरोपियों की पहचान पानीपत निवासी परवीन सहगल (37) और दिल्ली निवासी मुकेश खटरेजा (48) के रूप में हुई है। टीम को 25 अक्टूबर को सूचना मिली कि प्रह्लादपुर इलाके में पालम

फ्लाईओवर के पास प्रतिबंधित सिगरेट की एक बड़ी खेप पहुंचाई जानी है। अधिकारी ने बताया कि जाल बिछाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से तस्करी कर लाई गईं सिगरेट से भरे 332 डंडे (प्रत्येक में 10 पैकेट) के चार बैग बरामद किए गए हैं। इन पैकेटों पर सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) के तहत अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनियां नहीं थीं।
जिसके कारण भारत में इनकी बिक्री या वितरण अवैध है। पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों कंबोडिया से सिगरेट की तस्करी कर दिल्ली और आसपास के इलाकों में इसे बेचते थे। मामले में जांच जारी है।

सोना और कैश देखकर आया लालच, मालिक के घर में ही कर दिया हाथ साफ, लाल बैग से खुल गई पोल

नई दिल्लीः पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में अपने मालिक के घर से कथित तौर पर एक लाख रुपये और सोने के आभूषण चुराने के आरोप में एक चालक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चालक गौरांक (25) को घटना के 48 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया और उसके पास से 45,500 रुपये नकद बरामद किए गए।
चोरी की मिली थी सूचना
एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को 22 अक्टूबर को मयूर विहार स्थित एक घर में चोरी की सूचना मिली थी। शिकायतकर्ता राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि उनकी अलमारी से एक लाख रुपये नकद और चार चूड़ियां, दो चेन और चार जोड़ी झुमके सहित सोने के गहने चोरी हो गए हैं।'खंगाले सीसीटीवी फुटेज

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया हमनें आस-पास के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में शिकायतकर्ता का चालक लाल रंग का बैग लेकर कई बार परिसर में आता-जाता दिखा। जिसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ड्राइवर की तलाश करने लगी और ड्राइवर को कथित चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।
ड्राइवर ने कबूल किया अपराध
उन्होंने बताया कि जांच के आधार पर, आरोपी को शकरपुर स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ में उसने कथित तौर पर अपना अपराध कबूल कर लिया । पुलिस ने बताया कि चोरी हुए आभूषणों की बरामदगी और संभावित साथियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्ली वालों की बल्ले-बल्ले, इन 3 जगहों पर बनने जा रहा फ्लाईओवर; जाम से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली के लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए दिल्ली सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। लोक निर्माण विभाग ने महानगर में यातायात की व्यवस्था को आसान बनाने के लिए 10 परियोजनाओं की घोषणा के अलावा, विभाग ने आउटर रिंग रोड के दो हिस्सों - कंझावला चौक से मंगोलपुरी और केशोपुर डिपो से हैदरपुर - और सागरपुर से मायापुरी चौक तक फ्लाईओवर निर्माण के लिए अध्ययन भी शुरू कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक तीनों फ्लाईओवर पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कुछ सबसे व्यस्त हिस्सों से यातायात जाम कम करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा होंगे और परामर्श लागत के रूप में लगभग 10.5 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। लोक निर्माण विभाग ने शहर के आठ प्रमुख हिस्सों में फ्लाईओवर, अंडरपास, एलिवेटेड कॉरिडोर और फुट ओवरब्रिज के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने के

लिए सलाहकारों को आमंत्रित किया था। लगभग 47 किलोमीटर लंबे ये फ्लाईओवर एक एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर विकास योजना का हिस्सा होंगे जिसका उद्देश्य प्रमुख मार्गों पर यातायात जाम कम करना है।केशोपुर डिपो-हैदरपुर खंड पर सबसे लंबा फ्लाईओवर बनेगा
तीनों फ्लाईओवरों की प्रस्तावित लंबाई उनके भौगोलिक विस्तार और संभावित प्रभाव को दर्शाते हुए काफी अलग-अलग है। केशोपुर डिपो-हैदरपुर खंड सबसे लंबा है, जो 17.5 किलोमीटर लंबा है, इसके बाद कंझावला चौक और मंगोलपुरी के बीच 10.7 किलोमीटर का कॉरिडोर और सागरपुर से मायापुरी चौक तक 4.3 किलोमीटर का लिंक है।डिजाइन में हर तकनीकी पहलू का ध्यान रखा जाएगा ग्रेड चौराहों पर फुटपाथ के प्रकार से लेकर आस-पास के भूखंडों, घरों और व्यावसायिक संपत्तियों के प्रवेश बिंदुओं तक सुरक्षा और उपयोगकर्ता सुविधा डिजाइन के केंद्र में होंगे। सलाहकार व्यापक यातायात सुरक्षा सुविधाओं और सड़क के फर्नीचर का भी सुझाव देंगे, जिसमें ट्रैफिक सिग्नल, साइनेज, लेन मार्किंग, ओवरहेड बोर्ड, क्रैश बैरियर और डिलीनेटर शामिल हैं। ऐसी सभी स्थापनाओं के स्थानों का विवरण रिपोर्ट में दिया जाना चाहिए और चित्रों में स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए। एक और फ्लाईओवर पर काम शुरू हाल ही में, लोक निर्माण विभाग ने दक्षिण दिल्ली में एसएसएन मार्ग पर 100-फीट रोड पर अणुव्रत मार्ग रेड लाइट को डीएलएफ कट से जोड़ने वाले एक फ्लाईओवर के लिए एक विस्तृत डिजाइन और व्यवहार्यता योजना पर काम शुरू किया है। कुछ अन्य प्रस्तावित खंडों में पहाड़गंज से अजमेरी गेट तक देशबंधु गुप्ता रोड का 7 किलोमीटर का खंड, आईटीओ चौराहे पर 4 किलोमीटर का एकीकृत गलियारा और नजफगढ़ से कापसहेड़ा के पास एनएच-48 तक 20 किलोमीटर का गलियारा शामिल है।

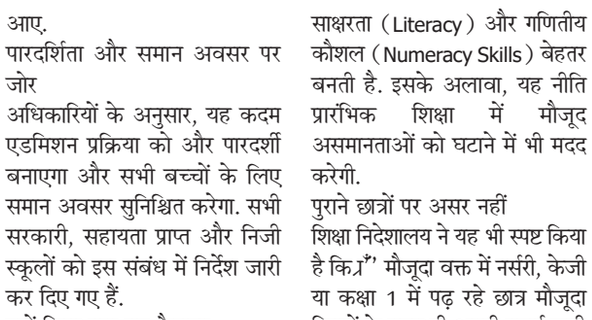

यमुना नदी में फिसले बीजेपी विधायक रवि नेगी तो आप ने कसा तंज- आपके झूठ से मां यमुना नाराज

नई दिल्लीः छठ पूजा के बीच दिल्ली की यमुना नदी में प्रदूषण को लेकर सियासी संग्राम जारी है। एक तरफ जहां दिल्ली की बीजेपी सरकार यमुना नदी के किनारे घाट बनाकर छठ पूजा की तैयारियों में जुटी है। वहीं, आम आदमी पार्टी इस बात को लेकर निशाना साध रही है कि यमुना के प्रदूषण को लेकर बीजेपी क्या कर रही है? इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिल्ली के बीजेपी विधायक रवि नेगी यमुना नदी में फिसलते नजर आ रहे हैं। वीडियो को दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के सीनियर नेता सौरभ भारद्वाज ने अपने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए सौरभ भारद्वाज ने लिखा है कि भाजपा विधायक की बहुत सुंदर डुबकी, आपके झूठ से मां यमुना बहुत नाराज हैं। इस वीडियो पर लोग अलग-अलग तरह के कमेंट कर रहे हैं। बहुत सुंदर डुबकी हैः नेगी वीडियो में रवि नेगी यमुना घाट के किनारे घुटने के बल बैठे नजर आ रहे हैं। वो अपने दोनों हाथों में अलग-अलग पानी को बोतल रखे हुए हैं। रवि नेगी इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेताओं को चुनौती देते हुए कहते हैं कि अगर हिम्मत है तो यहां आकर पानी पी लो। लोगों को बेवकूफ बनाते हो। इतना बोलते हुए रवि नेगी जैसे ही खड़े होते हैं, उनका पैर अचानक फिसल जाता है और वो सीधे यमुना में गिर जाते हैं। इस दौरा एक आदमी पीछे से उनको पकड़ने की कोशिश करता भी नजर आता है। हालांकि, बाद में रवि नेगी कहते नजर आते हैं कि यह बहुत सुंदर डुबकी है।

दिल्ली में बदले स्कूल एडमिशन के नियम, कक्षा 1 में दाखिले के लिए अब 6 साल की उम्र जरूरी

दिल्ली सरकार ने अपने सरकारी स्कूलों में एडमिशन प्रक्रिया को लेकर एक अहम फैसला लिया है. शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होने वाले नए नियम जारी किए हैं, जिनके तहत अब कक्षा 1 में दाखिले के लिए बच्चे की न्यूनतम उम्र 6 साल और अधिकतम उम्र 7 साल तय की गई है.
यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुरूप किया गया है. शिक्षा विभाग का कहना है कि यह फैसला बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि वे औपचारिक शिक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हों.
नए नियमों के तहत तय उम्र सीमा
दिल्ली सरकार द्वारा जारी नए सर्कुलर में प्री-स्कूल से लेकर पहली कक्षा तक की उम्र इस प्रकार तय की गई है
नर्सरी (Pre-School 1): 3 से 4 साल
लोअर केजी (Pre-School 2): 4 से 5 साल
अपर केजी (Pre-School 3): 5 से 6 साल
कक्षा 1: 6 से 7 साल
स्कूल हेड्स को मिलेगी
1
महीने की छूट का अधिकार
शिक्षा निदेशालय ने बताया कि स्कूल प्रमुख (Head of School) को यह अधिकार दिया गया है कि वे एक महीने तक की उम्र में छूट दे सकते हैं. यानी अगर बच्चे की उम्र निर्धारित

सीमा से थोड़ी कम या ज्यादा है, तो स्कूल हेड अपने विवेक से एडमिशन की अनुमति दे सकेंगे.
इसके अलावा, जो छात्र पहले से किसी मान्यता प्राप्त स्कूल में पढ़ रहे हैं और अगली कक्षा में जाना चाहते हैं, उन्हें आयु सीमा से छूट दी जाएगी, ताकि उनकी पढ़ाई में रुकावट न आए.
पारदर्शिता और समान अवसर पर जोर
अधिकारियों के अनुसार, यह कदम एडमिशन प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाएगा और सभी बच्चों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगा. सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं.
क्यों लिया गया यह फैसला
?शिक्षा विभाग के मुताबिक, इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य है बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाना और शुरूआती शिक्षा के स्तर को मजबूत करना. 6 साल की उम्र में बच्चे आमतौर पर बुनियादी पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता विकसित कर लेते हैं, जिससे उनकी साक्षरता (Literacy) और गणितीय कौशल (Numeracy Skills) बेहतर बनती है. इसके अलावा, यह नीति प्रारंभिक शिक्षा में मौजूद असमानताओं को घटाने में भी मदद करेगी.
पुराने छात्रों पर असर नहीं
शिक्षा निदेशालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि।" मौजूदा वक्त में नर्सरी, केजी या कक्षा 1 में पढ़ रहे छात्र मौजूदा नियमों के तहत ही अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे. नए नियम केवल सत्र 2026-27 से नए दाखिलों पर लागू होंगे. इस तरह, दिल्ली सरकार ने शिक्षा के शुरूआती चरण में बड़ा बदलाव करते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि हर बच्चा सही उम्र में, सही विकास स्तर पर, अपनी स्कूली शिक्षा की शुरूआत करे.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे फरीदाबाद लिंक पर सुरक्षा से लापरवाही: न सिग्नल, न कैमरे, बढ़ रहा हादसों का खतरा

फरीदाबाद। जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आवागमन शुरू हुए सालभर से अधिक हो गया है लेकिन इसकी लिंक सड़क व अंडरपास के चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल व सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। इस वजह से न केवल सुचारू रूप से यातायात बाधा आती है बल्कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई भी नहीं हो पा रही है। कैमरों के अभाव में सड़क दुर्घटना के बाद भागने वाले वाहन चालक की पहचान मुश्किल हो रही है।
विभाग नहीं दिखा रहा दिलचस्पी
विभागीय तालमेल न होने की वजह से अभी यह भी तय नहीं किया गया है कि यह काम कौन करेगा। अब यहां यह भी बता दें कि ट्रैफिक सिग्नल व सीसीटीवी कैमरे लगाने का जिम्मा स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किया जाना था, परियोजना से जुड़ी कंपनी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। इसलिए अब इस काम को कोई भी विभाग लेने में रुचि नहीं दिखा रहा है। और सब कुछ अंधेरे में है।आठ प्रवेश व निकासी प्वाइंट

एक्सप्रेसवे पर आठ प्रवेश व निकास प्वाइंट सेक्टर-30 ऐतमादपुर, सेक्टर-28, बसेलवा कालोनी, खेड़ीपुल, बीपीटीपी पुल के पास, सेक्टर-दो, सेक्टर-दो आइएमटी हैं। यानी सेक्टर 37 से सेक्टर-59 तक 26 किलोमीटर बाईपास पर आठ जगह ऐसी हैं, जहां से वाहन चालक एक्सप्रेस-वे पर चढ़ते और उतरते हैं। इससे शहरवासियों को इस एक्सप्रेसवे का सीधा लाभ तो मिल रहा है, पर प्रवेश व निकासी प्वाइंटों के पास ट्रैफिक सिग्नल व सीसीटीवी कैमरे लगाने की जरूरत है, ताकि प्रत्येक वाहन चालक पर निगाह रखी जा सके। जो यह काम नहीं किया गया। ट्रैफिक सिग्नल लगने के बाद वाहन चालक अपनी बारी आने के बाद ही चौराहा पार करते, पर फिलहाल वाहन चालक बेतरतीब तरीके से आ-जा रहे हैं। इससे कई बार चौराहे व लिंक सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन जाती है।
एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर छह लेन सर्विस रोड
एक्सप्रेस-वे कुल 12 लेन का बनाया गया है। मैन कैरिज-वे छह लेन का है जबकि दाएं-बाएं सर्विस रोड भी तीन-तीन लेन की बनाई है। इसी सर्विस लेन के माध्यम से वाहन चालक मैन कैरिज वे का प्रयोग कर रहे हैं। एक्सप्रेसवे दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर से शुरू हुआ है। आगरा नहर के साथ-साथ सेक्टर-37 शवदाह गृह के पास आकर फरीदाबाद के बाईपास से जुड़ रहा है। गलत दिशा में दौड़ रहे वाहन
एक्सप्रेसवे व इसकी लिंक सड़क पर प्रतिदिन हजारों वाहन गलत दिशा में चलते हैं। इससे हादसे बढ़ रहे हैं। कई बार ऐसे वाहनों की वजह से हादसे हो चुके हैं। लोगों की जान जा चुकी है। यदि यहां कैमरे लग जाएंगे तो ऐसे वाहन चालकों के चालान किए जा सकेंगे। उधर कई ऐसे हादसे हुए हैं जिनमें पता नहीं चला कि वाहन चालक कौन था। यदि कैमरे होते तो पकड़ संभव हो सकती थी।

'हिटमैन' के संन्यास को लेकर बचपन के कोच ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैच में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने बल्ले से कमाल कर दिया। रोहित ने 125 गेंदों पर नाबाद 121 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल थे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक भी साबित हुआ। रोहित शर्मा ने इस मैच में विराट कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए नाबाद 168 रनों की साझेदारी की। इस शानदार पार्टनरशिप के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर मैच जीत लिया।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन

38 साल की उम्र में 'हिटमैन' रोहित शर्मा पहले से ज्यादा फिट और रनों के भूखे नजर आए। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की पूरी कोशिश के बावजूद रोहित ने अपनी टाइमिंग और शॉट सेलेक्शन से विपक्षी गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया। रोहित ने इस सीरीज में कुल 202 रन बनाए, औसत 101 के साथ, जो किसी अन्य खिलाड़ी के लिए सबसे ज्यादा थी। इस प्रदर्शन के चलते उन्हें 'Player of the Series' चुना गया।

रोहित शर्मा की रिटायरमेंट को लेकर बचपन के कोच ने तोड़ी चुप्पी

रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने मैच के बाद बताया कि रोहित ने अपनी भविष्य की योजना पहले ही तय कर ली है। लाड ने कहा, 'आज रोहित की बल्लेबाजी और टीम को जीत दिलाने का अंदाज देखकर बहुत अच्छा लगा। उसने पहले ही तय कर लिया है कि वह 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेलेगा और उसके बाद रिटायरमेंट लेगा।' रोहित का सपना भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप जीतना है। वर्ल्ड कप 2011 में रोहित भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जबकि वर्ल्ड कप 2023 में उनकी कप्तानी में भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल हार गया था।

दिनेश लाड ने विराट की भी की तारीफ

विराट कोहली ने भी इस मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी की। लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली ने इस मैच में नाबाद 74 रन बनाए। दिनेश लाड ने कहा, 'विराट किसी भी परिस्थिति में सफल हो सकते हैं। जिस तरह वह खेले, देखकर

बहुत अच्छा लगा।' लाड ने यह भी याद दिलाया कि सचिन तेंदुलकर ने भविष्यवाणी की थी कि रोहित शर्मा और विराट कोहली मास्टर ब्लास्टर के रिकॉर्ड्स को तोड़ेंगे। इस मैच और रोहित-कोहली के करियर को देखकर अब यह भविष्यवाणी सच होती नजर आ रही है।

एशिया जूनियर बैडमिंटन में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, शायना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

चेंगदू (चीन) (एजेंसी)। भारत ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप 2025 में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

अंडर-15 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में शायना मणिमुथु ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में दीक्षा सुधाकर ने अपनी हमवतन लक्ष्या राजेश को 21-16, 21-9 से मात दी।

दीक्षा इस उपलब्धि के साथ जूनियर एशियन चैंपियनशिप के इतिहास में अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय सिंगल्स खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले 2013 में भारत ने दो गोल्ड जीते थे – जब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 बॉयज़ सिंगल्स और चिराग शेट्टी-एमआर अर्जुन की जोड़ी ने अंडर-17 बॉयज़ डबल्स में जीत दर्ज की थी।

शायना ने जहां मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, वहीं दीक्षा ने 27 मिनट में ऑल-इंडियन फाइनल अपने नाम किया। इससे पहले शनिवार को जगशेर सिंह खंगुरा ने बॉयज़ सिंगल्स में और जंगजीत सिंह काजला-जनानिका रमेश की जोड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक हासिल किए।

भारत के पदक विजेता

दीक्षा सुधाकर -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

शायना मणिमुथु -अंडर15 गर्ल्स सिंगल्स गोल्ड

लक्ष्या राजेश -अंडर17 गर्ल्स सिंगल्स सिल्वर

जगशेर सिंह खंगुरा -अंडर17 बॉयज़ सिंगल्स ब्रॉन्ज

जंगजीत सिंह काजला और जनानिका रमेश -अंडर17 मिक्स्ड डबल्स ब्रॉन्ज।

शुभमन गिल ने दिया बड़ा संकेत, इस बॉलिंग ऑलराउंडर की 2027 वर्ल्ड कप में होगी जरूरत

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 9 विकेट से शानदार जीत के बाद कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर तारीफ की। गिल ने इशारों में संकेत दिया कि आने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत को राणा जैसे बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत होगी।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन का योगदान बल्ले से भी दे सकते हैं, तो वह टीम के लिए नंबर 8 स्थान पर बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

गिल ने मैच के बाद कहा, 'हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और यह पोज़िशन टीम के लिए बहुत अहम है।'

हर्षित राणा ने तीसरे वनडे में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी थी। वहीं दूसरी ओर, गिल ने माना कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर ऊंचे और 140+ की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों की अहमियत और बढ़ जाती है। 'ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर ऐसे गेंदबाज बेहद जरूरी हैं,' गिल ने कहा।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की भूमिका की भी गिल ने सराहना की, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में दबाव बनाया, जिसका फायदा राणा ने उठाया। रोहित शर्मा (121*) और विराट कोहली (74) ने शानदार बल्लेबाजी कर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया।

हां मैंने आलोचना की थी, लेकिन हार्षित राणा का प्रदर्शन शानदार रहा: क्रिस श्रीकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज हार्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने आलोचकों को चुप करा दिया। 23 साल के राणा ने अपनी ODI करियर की बेस्ट 4/39 गेंदबाज़ी के साथ भारत को 9 विकेट की जीत दिलाई और पूर्व चयनकर्ता व 1983 विश्व कप विजेता सदस्य क्रिस श्रीकांत भी फैन बन गए।

कुछ हफ्ते पहले श्रीकांत ने राणा को गौतम गंभीर का 'Yes Man' कहकर आलोचना की थी। हालांकि अब उन्होंने कहा: 'हार्षित राणा ने शानदार गेंदबाज़ी की। चार विकेट लेना एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा पसंदीदा विकेट ओवेन का था। उसने बेहतरीन लाइन और लेंथ में गेंदबाज़ी की। पिछले मैच में उसे मार गिराया गया था,

लेकिन इस मैच में उसने डैथ ओवर में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आज हार्षित को सारी तारीफ मिलनी चाहिए।' राणा ने एडेलेड में भी 18 गेंद में नाबाद 24 रन बनाकर अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता दिखाई थी। कप्तान शुभमन गिल ने भी उनकी तारीफ की और कहा कि राणा 2027 ODI वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका की बाउंसी पिचों पर तीसरे तेज़ गेंदबाज़ और No.8 पर बल्लेबाज़ के रूप में टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने भी राणा के बचपन के आलोचकों को लताड़ लगाई और कहा कि किसी 23 वर्षीय खिलाड़ी पर व्यक्तिगत हमला करना गलत है। 'उसका प्रदर्शन ही मापदंड होना चाहिए। किसी को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना उसके मनोबल पर असर डालता है। राणा ने अपनी मेहनत और काबिलियत से टीम में जगह बनाई है और आगे भी बनाए रखेगा।' गौर है कि तीसरे वनडे में भारत की ओर से रोहित शर्मा (121) और विराट कोहली (74) की बेहतरीन पारियों की बदौलत टीम ने 237 रन का लक्ष्य 69 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया।

मेसी का भारत दौरा टला

कोच्चि । अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी का अगले माह होने वाला भारत दौरा टल गया है। दौरे के प्रायोजक ने कहा कि कुछ कारणों से ये दौरा टाल दिया गया है। वहीं इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी। वहीं ऑगस्टीन ने अब सोशल मीडिया में घोषणा की कि यह मैच अगले महीने नहीं होगा। साथ ही कहा कि दौरे की नई तारीखों की जानकारी बाद में दी जाएगी। गौरतलब है कि विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) की अनुमति मिलने में देरी के कारण ही अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ बातचीत के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित किये जाने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा शीघ्र होगी। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया थ। वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी और उसके बाद ही कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा होगी।

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

हर्षित को गंभीर ने दी थी चेतावनी, प्रदर्शन करो या बहार होने के लिए तैयार रहो

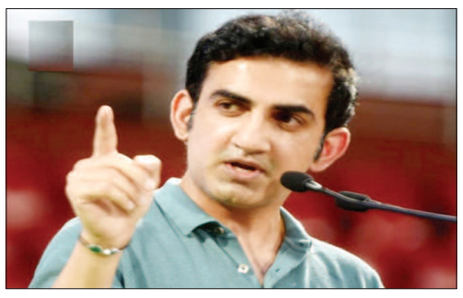

सिडनी। भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में शामिल किये जाने के बाद से ही निशाने पर थे। पहले दो मैच में खराब गेंदबाजों के बाद उनके आलोचक और मुखर हो गये थे और उनका कहना था कि हर्षित अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज नहीं है पर अंतिम एकदिवसीय में इस युवा ने चार विकेट लेकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हर्षित ने 8.4 ओवर में 39 रन देकर चार विकेट लिए। इस युवा ने गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। दूसरे एकदिवसीय में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद भी कई लोगों का मानना है कि उन्हें एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि हर्षित के अच्छे प्रदर्शन के पीछे कोच गौतम गंभीर की उन्हें दी गयह चेतावनी थी। गंभीर ने उनसे प्रदर्शन करने या बाहर बैठने के लिए तैयार रहने को कहा था।

हर्षित के बचपन के कोच श्रवण कुमार ने बताया कि उसके एकदिवसीय टीम में चयन पर सवाल उठाए गए थे। सिडनी मैच में हर्षित को अर्शदीप सिंह के ऊपर चुना गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए। इसी दौरान गंभीर ने उसने प्रदर्शन करने या बाहर होने के लिए तैयार रहने कहा था।

श्रवण ने कहा, फउसने मुझे फोन किया और बताया कि वह अपने प्रदर्शन से बाहरी लोगों की बातों और आलोचनाओं को शांत करना चाहता है। तब मैंने बस कहा, 'खुद पर विश्वास रखो।' मुझे पता है कि कुछ क्रिकेटर कहते हैं कि वह गंभीर के करीब है इसलिए टीम में है पर ये सही नहीं है . लेकिन गंभीर को प्रतिभा की पहचान करना आता है। इसलिए. वह उनका समर्थन करते हैं उन्होंने पहले भी कई क्रिकेटरों का समर्थन किया है

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की

-पुलिस ने जांच तेज की

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटरों से हुई छेड़छाड़ के मामले की कड़ी आलोचना की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये वह कम है। वहीं इस घटना पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) ने भी चिंता जताई और भारतीय अधिकारियों से खिलाड़ियों की सुरक्षा पक्की करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। वह इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अकील खान से पूछताछ कर रही है। यह घटना उस समय हुई, जब खिलाड़ी होटल से निकलकर एक कैफे जा रही थीं।

इस घटना से ऑस्ट्रेलियाई टीम की सुरक्षा में लापरवाही की पोल जरुर खुल गयी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि अब सुरक्षा बढ़ा दी गयी है और आगे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। पुलिस ने इस घटना के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज कर दी है। फुटेज में साफ तौर पर दिख रहा है कि कैसे आरोपी ने खिलाड़ियों के साथ बदसलूकी की। पुलिस ने हालांकि इस मामले में आरोपी को तत्काल पकड़ लिया था।

यह इलाका व्यस्त रहता है, फिर भी अपराधी ने जिस प्रकार घटना को अंजाम दिया उससे साफ है कि अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं। स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने बताया कि सर्विस रोड पर अक्सर भीड़ रहती है पर सुरक्षा के लिए कोई विशेष इंतजाम नहीं किए गए थे। अतिरिक्त सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों के आधार पर मामले की तह तक जाने की कोशिश की जा रही है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है, जिसमें अतिरिक्त पुलिस गश्त और सीसीटीवी निगरानी बढ़ाना शामिल है। यह घटना से केवल सुरक्षा व्यवस्था ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान विदेशी मेहमानों की सुरक्षा को लेकर भारत की छवि को भी झटका लगा है।

क्लच शतरंज चैंपियंस में गुकेश के सामने बड़ी चुनौती

सेंट लुई। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को 412,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियंस में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को जीत दिलाने के बाद अमेरिका पहुंचे गुकेश को खिताब जीतने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ खेल तकनीक दिखानी होगी। इस प्रतियोगिता में विश्व रैंकिंग के टॉप तीन खिलाड़ियों – मैग्नस कार्लसन, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना – का भी जोरदार मुकाबला होगा। हाल ही में पिता बने कार्लसन ने अपना ब्रेक खत्म किया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। क्लच शतरंज का यह टूर्नामेंट 18 गेम तक चलेगा और एक पखवाड़े में संपन्न होगा। विजेता को 120,000 अमेरिकी डॉलर, दूसरे स्थान पर 90,000 अमेरिकी डॉलर, तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः 70,000 और 60,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा, प्रत्येक राउंड में जीत पर अतिरिक्त 72,000 डॉलर की राशि भी पुरस्कार के रूप में मिलेगी।

टीम प्रबंधन को उम्मीद प्रतीका सेमीफ़ाइनल में भी करेगी अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2025 में अब भारत की असली परीक्षा शुरू होने जा रही है। सेमीफ़ाइनल में टीम इंडिया का सामना होगा उस ऑस्ट्रेलियाई टीम से, जिसने वर्षों से महिला विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाए रखा है। ग्रुप मैच में जब दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था, तब स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शानदार शुरुआत दी थी, लेकिन टीम उस लय को अंत तक कायम नहीं रख सकी थी। इस बार दांव पहले से कहीं अधिक बड़ा है, क्योंकि जीत भारत को फाइनल में पहुंचा सकती है और हार से पूरा अभियान थम सकता है।

भारतीय बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना इस वर्ल्ड कप की सबसे निरंतर और प्रभावशाली खिलाड़ी रही हैं। उनके साथ प्रतीका रावल का प्रदर्शन भी अब पूरे टूर्नामेंट की चर्चा का विषय बन गया है। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि दबाव के क्षणों में वह टीम की रीढ़ बन सकती हैं। अब सभी निगाहें उन पर होंगी, क्योंकि यही वह मैच है जो खिलाड़ियों को नायक से दंतकथा में बदल देता है और महिला क्रिकेट के इतिहास में नए अध्याय लिखता है।

टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि प्रतीका एक बार फिर अपनी दमदार पारी से विपक्ष को चौंकाएंगी। नॉकआउट मैचों में परिस्थितियाँ पलभर में बदल सकती हैं जैसा कि 2017 के डर्बी सेमीफ़ाइनल में हरमनप्रीत कौर ने अपने ऐतिहासिक शतक से दिखाया था। अगर इस बार स्मृति और प्रतीका मिलकर वही करिश्मा दोहराती हैं, तो भारत न सिर्फ फाइनल में जगह बना सकता है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी तोड़ सकता है।

इस मैच में भारत को धैर्य, संयम और आत्मविश्वास से खेलना होगा। टीम को खुद पर उतना ही विश्वास रखना होगा जितना प्रतीका ने मुश्किल वक्त में अपने खेल पर रखा था। अगर

इस बार भी उन्होंने बल्ले से वही जवाब दिया जो न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ दिया था, तो ऑस्ट्रेलिया को भारत के सामने झुकना पड़ सकता है और प्रतीका रावल का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाएगा।

शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है। हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है। साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है। उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं। शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लि एक दशक से भी ज्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है। शास्त्री ने तीन विश्व कप विजेता खिलाड़ियों – धोनी, तेंदुलकर और कपिल को भी अपनी इस सूची में रखा है। शास्त्री ने कहा, मैं कोहली, तेंदुलकर, कपिल, धोनी और रोहित को चुनूंगा। साथ ही कहा कि अगर आप क्रिकेट इतिहास को देखें तो कई और अच्छे खिलाड़ी रहे हैं पर मेरे लिए ये खिलाड़ी सबसे अलग रहे हैं। इसलिए उन्हें जगह दी है। इस सूची में केवल दो ही सक्रिय खिलाड़ी विराट और रोहित है हालांकि ये भी अपने अंतिम दौर में हैं1

रोहित और कोहली होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के बड़े हथियार: भारतीय पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने दिग्गज बल्लेबाज़ रोहित शर्मा और विराट कोहली की टीम इंडिया के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में अहम भूमिका निभाने की पुष्टि की है। प्रसाद ने कहा कि यह अनुभवी जोड़ी टीम के लिए बड़े संपत्ति साबित होगी।

तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, रोहित और विराट ने शानदार बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया और भारत को 9 विकेट से जीत दिलाकर सीरीज में वाइटवॉश से बचाया। रोहित ने 121* रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और ODI में अपना 33वां शतक जड़ा। विराट कोहली ने पिछली दो पारियों में लगातार डक के बाद वापसी करते हुए 74 रन* बनाए और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों के ODI में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

प्रसाद ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। पिछले दो मैचों में उनके प्रदर्शन का इंतजार था। यह वर्ल्ड कप की तैयारी में बहुत अहम है। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बड़े संसाधन हैं।'

उन्होंने कहा कि दोनों बल्लेबाजों के पिछले रिकॉर्ड और फिटनेस को देखते हुए उन्हें केवल वर्तमान फॉर्म से आंका नहीं जा सकता। प्रसाद ने यह भी सराहा कि रोहित, विराट और रवींद्र जडेजा ने सही समय पर अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का मौका दिया।

'टीम में इतनी प्रतिभा है कि श्रेस्अयर इयेर जैसी खिलाड़ी भी टी20 टीम में जगह नहीं पा रहे हैं। यह दर्शाता है कि टीम के पास बहुत गहराई है और युवा खिलाड़ी अब मजबूती से अपनी पहचान बना रहे हैं।'

प्रसाद ने टी20 फॉर्मेट में टीम की मजबूती और प्रतिभा के पूल की भी तारीफ की, यह बताते हुए कि भारत के पास आने वाले समय के लिए मजबूत टीम है।

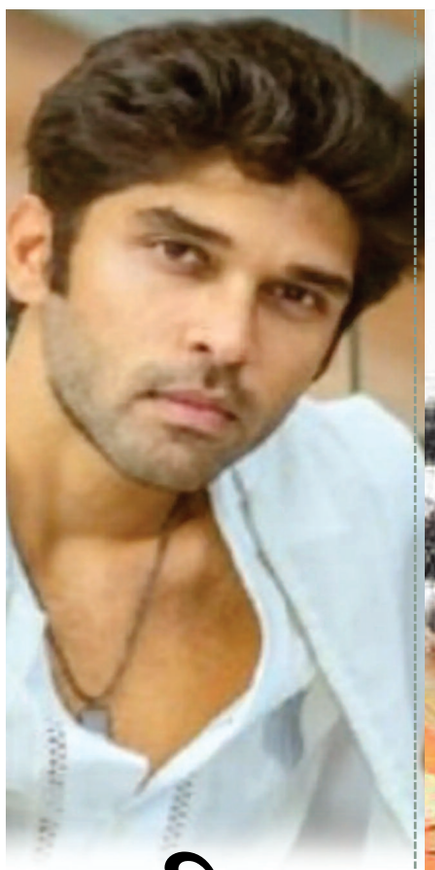

ध्रुव विक्रम को स्टार किड होने का मिला फायदा

अभिनेता ध्रुव विक्रम हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म बाइसन के प्रचार में व्यस्त हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 24 अक्तूबर को रिलीज होने वाले तेलुगु संस्करण के प्रचार के सिलसिले में, वे हैदराबाद में थे। अभिनेता विक्रम के बेटे ध्रुव ने स्टार किड होने के बारे में खुलकर बात की और इस किरदार को निभाने के लिए की गई मेहनत के बारे में बताया।

स्टार होने की वजह से मिले कई मौके

ध्रुव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वीकार किया कि एक स्टार किड होने के नाते उन्हें कई मौके मिले हैं। वह इन मौकों का पूरा फायदा उठाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सच है कि मैं एक स्टार किड हूं और मुझे मौके मिलते रहते हैं। हालांकि मैं लोगों को स्वीकार करने, मुझे प्यार करने, मेरे काम को पसंद करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं तमिल, तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अपनी जगह बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। इसके लिए मैं काम करता रहूंगा। फिल्म बाइसन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, बाइसन के बारे में, मैं हमेशा सोचता था कि अगर मेरी जगह कोई ऐसा व्यक्ति होता जो फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आता, तो वह कितना कुछ करता? वह कितना काम करता? मैं इस बारे में और इस फिल्म के लिए मेहनत करता और तैयारी करता। मैंने इस फिल्म को अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की।

फिल्म के बारे में

फिल्म बाइसन का लेखन और निर्देशन मारी ने किया है। फिल्म में ध्रुव और अनुपमा के अलावा पशुपति, अमीर, लाल, राजिशा विजयन और अजगम पेरुमल ने अभिनय किया है। यह कबड्डी खिलाड़ी मनाथी गणेशन के जीवन पर आधारित है और एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो जाति-आधारित भेदभाव को मात देते हुए खेल में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

सिंगल मदर होना आसान नहीं

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है।वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं। उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा। क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

चार्मर ने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने चार्मर को लेकर अपना एक खास अनुभव शेयर किया, जो उन्हें बेहद पसंद भी आया। इस गाने ने उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। सान्या ने इंस्टाग्राम पर चार्मर गाने का एक रिहर्सल वीडियो शेयर किया, जिसमें वह सफेद ड्रेस में शानदार डांस मूव्स करती नजर आईं। इसके साथ सान्या ने कैप्शन में लिखा, मैंने इससे पहले कभी हील्स में डांस नहीं किया और अब मैं रुकना नहीं चाहती। मुझे दिलजीत दोसांझ के चार्मर गाने पर डांस करने का मौका मिला। मेरी टीम और डायरेक्टर का शुक्रिया। जान्हवी कपूर और राखी सावंत ने इस पोस्ट पर फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। सोफी चौधरी ने लिखा, वो सब तो ठीक है... लेकिन मुझे कभी इतना स्वैग वाला फैन लड़का क्यों नहीं मिला? आप लोगों के मूव्स बहुत पसंद हैं... हमेशा। चार्मर गाना दिलजीत के एल्बम ऑरा का हिस्सा है, जिसे 20 अक्तूबर को रिलीज किया गया। इस गाने का संगीत अवी सरा ने दिया और बोल राज रंजोध ने लिखे। वीडियो में सान्या एक खूबसूरत जगह पर जोशीले अंदाज में डांस करती दिख रही हैं। वीडियो को शारिक सेक्रेरा ने डायरेक्ट किया, श्लोक आहूजा ने शूट किया और यश कदम ने कोरियोग्राफी की। इसके पहले, दिलजीत के एल्बम से कुफर गाना रिलीज हुआ था, जिसमें मानुषी छिल्लर नजर आई थीं।

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 के रिलीज डेट का एलान

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर बड़ी अपडेट आ गई है। यह फिल्म बहुत जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है। निर्माताओं ने इसके रिलीज डेट का एलान कर दिया है। आइए जानते हैं सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी फिल्म।

कपिल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया। यह क्लिप फिल्म के पोस्टर की एक स्लाइड थी जिसमें सभी कलाकार नजर आ रहे हैं। रिलीज की तारीख का खुलासा करते हुए, कॉमेडियन-अभिनेता ने लिखा, दोगुने कन्फ्यूजन और चार गुना मस्ती के लिए तैयार हो जाइए। किस किसको प्यार करूं 2, हंसी का धमाल सिर्फ सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को शुरू होगा। रिलीज डेट के सामने आते ही नेटिजंस काफी खुश हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म से ज्यादा हनी सिंह के गाने का इंतजार है। वहीं दूसरे यूजर ने कहा, फिल्म बहुत शानदार होने वाली है। एक और यूजर ने कहा, केंडी यो यो हनी सिंह। इसके अलावा अन्य यूजर्स कपिल शर्मा के कॉमेडी अंदाज को देखने का इंतजार कर रहे हैं।

'किस किसको प्यार करूं 2' के बारे में

किस किसको प्यार करूं 2 का निर्देशन अनुकल्प गोस्वामी कर रहे हैं। इसके निर्माता रतन जैन और गणेश जैन हैं। फिल्म में कॉमेडी, भ्रम और तमाशा का ड्रामा देखने को मिलेगा। फिल्म के पहले पार्ट को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला था। इस फिल्म का निर्माण अब्बास-मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया जा रहा है। कपिल शर्मा की यह फिल्म 12 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रिटिश शासन पर आधारित पीरियड ड्रामा होगी प्रभास की अगली फिल्म

प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। माना जा रहा है कि इसका टाइटल फौजी होगा। हालांकि नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है 1932 से मोस्ट वांटेड। ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं। इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं। इससे पहले साझा किए गए पोस्टर में शिलालेख थे, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म में पौराणिक विषयों का समावेश होगा। खबरों के मुताबिक टाइटल की आधिकारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर होगी। खबर है कि मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म में इमानवी मुख्य भूमिका में होंगी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा जैसे कलाकार भी होंगे। संगीत विशाल चंद्रशेखर का है। फिल्म को अगस्त 2026 में रिलीज करने की योजना है। इस बीच, प्रभास की जनवरी 2026 में एक बड़ी फिल्म रिलीज होने वाली है, जिसका निर्देशन मारुति ने किया है। यह हॉरर-कॉमेडी द राजा साब है, जिसमें निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और संजय दत्त भी हैं।

जीतू अगर मुझसे एक्टिंग सीखता, तो जरूर खराब करता

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर अरशद वारसी ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

मैंने सबसे पहले हमारे डायरेक्टर अक्षय शेरे से स्क्रिप्ट सुनी। कहानी मुझे काफी मजेदार और इंटेंस लगी। स्क्रीनप्ले और कॉन्सेप्ट बहुत मजबूत था। जिस तरह से कहानी बुनी गई थी, उसमें दिलचस्पी जागी। काफी वक्त बाद मुझे एक ऐसा रोल मिला जिसमें मैं ऑफिसर की वर्दी पहन रहा हूं। इससे पहले मैंने 'सहर' फिल्म में एसएसपी अजय कुमार का रोल निभाया था। मेरा बस चले तो ऐसी ही एक वर्दी घर में बनवाकर रख लूं और पहनकर काम पर जाऊं। यह रोल लाइट कॉमेडी और कॉमर्शियल स्पेस में है लेकिन साथ ही थोड़ा इंटेंस भी है।

अरशद, आपके किरदार के अंदर एक आंतरिक संघर्ष चलता है जो फिल्म में नजर आता है। क्या इसके लिए आपने कोई खास तैयारी की?

सच कहूं तो मैंने इसके लिए कोई अलग रिसर्च या खास तैयारी नहीं की। मैं क्यों झूठ बोलूं कि मैं तीन महीने वनवास में चला गया था। जब मैंने कहानी सुनी, तो बस 24 घंटे उस किरदार के बारे में सोचता रहा। फिर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर के साथ बातचीत होती रही कि वो मुझसे क्या चाहते हैं और मैं उस किरदार को कैसे जस्टिफाई करूं। उनसे इनपुट मिलते थे, जिसकी मदद से मैं अपने दिमाग में उस आदमी की एक छवि बना लेता था कि वो ऐसा होगा।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मेरा मानना है कि फिल्म किसी भी विषय पर हो, एक कलाकार को फिल्म के नजदीक रहना चाहिए। जो कहानी राइटर ने लिखी है, वही आपकी जानकारी होनी चाहिए। वरना आप फिल्म की सोच से भटक सकते हैं। साथ ही, हमारे राइटर और डायरेक्टर पहले से ही विषय पर गहरी रिसर्च कर चुके थे, तो मुझे अलग से रिसर्च की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

हर फिल्म किसी न किसी जज्बात को छूती है। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म में भी कुछ ऐसी बातें होंगी जो दर्शकों के दिल तक पहुंचेगी। जो हालात हमने फिल्म में दिखाए हैं, वो उनके जेहन में रहें। लोग समझें कि हमने क्या दिखाने की कोशिश की है। और सबसे बड़ी बात, उन्हें यह महसूस हो कि उनका समय बेकार नहीं गया।

आप नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आते हैं। साथ में काम करते वक्त क्या आपने अपनी जर्नी के संघर्षों में कुछ समानता देखी?

मुझे तो लगता है कि हम दोनों ही बहुत रेगुलर लोग हैं, लेकिन बहुत टैलेंटेड हैं। जीतेंद्र बहुत अच्छा एक्टर है। अगर ऐसा नहीं होता तो फिल्म का सारा भार मुझ पर आ जाता और इसकी एक्टिंग भी मुझे ही करनी पड़ती। अगर कभी इसने मुझसे एक्टिंग सीख ली होती, तो शायद और भी खराब परफॉर्म करता।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।